राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित | 8

वर्ष 12 अकं :208 रांची (झारखंड) शनिवार,10 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज पर रोक, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज से बचने की हिदायत दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने आदेश में कहा है, 'सभी मीडिया चैनलों को रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लाइव कवरेज को दिखाने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध है कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा संबंधी अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय अत्यंत जिम्मेदारी बरतें और मौजूदा कानूनों व नियमों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने आगे बताया, विशेष रूप से रक्षा अभियानों या सुरक्षा बलों की गतिविधियों से संबंधित रीयल-टाइम कवरेज, विजुअल का प्रसार या सूत्र आधारित जानकारी की रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए। संवेदनशील जानकारी का समयपूर्व खुलासा अनजाने में शत्रु तत्वों की मदद कर सकता है और अभियान की प्रभावशीलता तथा कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पिछली घटनाओं ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकी हमले (26/11) और कंधार अपहरण जैसे मामलों में अनियंत्रित कवरेज से राष्ट्रीय हितों पर प्रभाव पड़ा था। मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यह हमारा साझा नैतिक उत्तरदायित्व है कि हमारे सामूहिक कार्य चल रहे अभियानों या हमारी

सेनाओं की सुरक्षा को खतरे में न डालें। इस आदेश में बताया गया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1)(पी) का पालन करने के लिए परामर्श जारी किया है। नियम 6(1)(पी) में कहा गया है कि केबल सेवा में कोई भी कार्यक्रम प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए, जिसमें सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान की लाइव कवरेज हो, ऐसी मीडिया कवरेज केवल उपयुक्त सरकार द्वारा नामित अधिकारी की ओर से समय-समय पर दी गई जानकारी तक सीमित होगी, जब तक कि वह अभियान समाप्त न हो जाए। उन्होंने बताया, ऐसा प्रसारण केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसके तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसलिए, सभी टीवी चैनलों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में आतंकवाद विरोधी अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज प्रसारित न करें। सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे कवरेज में सतर्कता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी बरतते रहें और राष्ट्र की सेवा में उच्चतम मानकों का पालन करें। यह आदेश मंत्रालय के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ जारी किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने भी अपने एक्स अकाउंट पर इस आदेश को शेयर करते हुए अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, ÷सभी मीडिया चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्मों और व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की गतिविधियों की लाइव कवरेज या रीयल-टाइम रिपोर्टिंग से बचें। ऐसी संवेदनशील या स्रोत-आधारित जानकारी का खुलासा करने से अभियान खतरे में पड़ सकता है और लोगों की जान को जोखिम हो सकता है।

रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुखों के साथ की 'ऑपरेशन सिंदूर' व मौजूदा स्थिति की समीक्षा

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय में एक बेहद महत्वपूर्ण मीटिंग की।

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय में एक बेहद महत्वपूर्ण मीटिंग की। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख यानी वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे। बैठक में रक्षा सचिव आरके सिंह भी मौजूद रहे। इस बैठक में आतंकवादियों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में पाकिस्तान के कारण सीमावर्ती इलाकों में उत्पन्न हुई पूरी स्थिति की समीक्षा की गई। माना जा रहा है कि इस बैठक में आगे की रणनीति और सैन्य तैयारियों पर भी चर्चा हुई। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अब तक भारत के कई सैन्य और नागरिक ठिकानों पर अटैक किया है, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह से

नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही भारत ने जबरदस्त जवाबी कार्रवाई भी की है। पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन अटैक भी नाकाम किए गए हैं। पाकिस्तान को यहां भी बड़ा नुकसान हुआ है और उसके कई ड्रोन भारतीय सेना ने नष्ट कर दिए। इसके साथ ही पाकिस्तान के मिसाइल हमलों को भी प्रभावी ढंग से विफल किया गया। सेना ने इसकी पूरी जानकारी रक्षा मंत्री को दी है। सेना के मुताबिक भारतीय एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। ये सभी मिसाइल हमले जम्मू कश्मीर में टारगेट किए गए थे। तीनों सेना प्रमुखों ने जम्मू कश्मीर से लेकर राजस्थान तक के विभिन्न इलाकों में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले और उसकी जवाबी कार्रवाई की जानकारी रक्षा मंत्री को दी है। इसके साथ ही बताया गया है कि किस प्रकार से भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाली जनहित याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कहा हम किसी राज्य को आदेश नहीं दे सकते

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कराने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम सीधे किसी राज्य को आदेश नहीं दे सकते। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध वस्तु को अपने कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच में यह वस्तु मोर्टार जैसी प्रतीत हो रही है, जिसके बाद सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने इलाके को पूरी तरह सील कर दिया। वस्तु के 100 मीटर के दायरे में किसी भी व्यक्ति को आने-जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

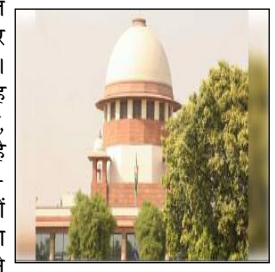

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह वस्तु संभवतः पुरानी हो सकती है, क्योंकि जैसलमेर सीमावर्ती क्षेत्र है और यहां सैन्य गतिविधियां समय-समय पर होती रहती हैं। कुछ ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यह कोई पुराना गोला-बारूद हो सकता है, जो पहले से जमीन में दबा हुआ था। हालांकि, इसकी सटीक प्रकृति का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम को बुलाया गया है। फिलहाल बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया है, जो वस्तु की जांच करेगा। वहीं पुलिस प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और पुलिस का सहयोग करें। प्रशासन ने भी लोगों से शांति बनाए रखने और बिना अनुमति के घटनास्थल पर न जाने की अपील की है। आपको बता दें कि जैसलमेर में इस तरह की घटना पहली बार नहीं है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां पहले भी पुराने गोला-बारूद या संदिग्ध वस्तुएं मिल चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश या मिट्टी के कटाव के कारण कभी-कभी पुरानी वस्तुएं सतह पर आ जाती हैं। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ मामले की जांच में जुटे हैं। बम निरोधक दस्ते की रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह वस्तु विस्फोटक है या नहीं। वहीं पंजाब के होशियारपुर जिले के हलका मुकेरियां के गांव बह फत्ता में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खेत में पाकिस्तान द्वारा दागी गई मिसाइल का मलबा मिला। यह मिसाइल आंशिक रूप से टूटी हुई अवस्था में थी और इसका कुछ हिस्सा अलग हो चुका था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस और प्रशासन को दी, जिसके बाद पंजाब पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके को पूरी तरह सील कर दिया। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान ने दसूहा आसपास के क्षेत्रों में कई मिसाइल हमले किए, लेकिन भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। यह मिसाइल उनमें से एक है, जो नष्ट होने से बच गई और बह फत्ता गांव के खेतों में जा गिरी।

चंडीगढ़ में हवाई हमले की चेतावनी : सायरन गूंजे ,सभी लोगों को घर में रहने का निर्देश

चंडीगढ़। पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा पर हमले की कोशिश जारी है। 8 और 9 मई की मध्य रात्रि को भारत की ओर टारगेट करते हुए कई ड्रोन और मिसाइल दागे गए, जिन्हें भारतीय सेना ने हवा में ही नष्ट कर दिया। इस बीच शुक्रवार को चंडीगढ़ में एयरफोर्स स्टेशन से हवाई हमले की चेतावनी के बाद प्रशासन अलर्ट मोड में है। आम लोगों को भी घरों में रहने की सलाह दी गई है। चंडीगढ़ डीसी की ओर से सभी लोगों को घर के अंदर रहने का निर्देश जारी किया गया है। इसके साथ ही लोगों को निर्देश दिया गया है कि वे बालकनी से दूर रहें। चंडीगढ़ में सायरन भी गूंज रहा है।

चंडीगढ़ के अलावा मोहाली में भी लोगों को अलर्ट किया गया है। भारत-पाक के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए पंजाब में परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए, यह आदेश दिया जाता है कि पूरे पंजाब में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय - सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त - अगले तीन दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहेंगे। गुरुवार की रात को पंजाब के छह सीमावर्ती जिलों - फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, अमृतसर, गुरदासपुर और तरनतारन में ब्लैकआउट की सूचना मिली। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पंजाब के कुछ सीमावर्ती गांवों के लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे हैं। वहीं, पंजाब पुलिस के सभी कर्मियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई।

उरी में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में महिला की मौत

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में गुरुवार की रात पाकिस्तान के सशस्त्र बलों द्वारा किए गए कई हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और मुंहतोड़ जवाब दिया गया। बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सीमा पार से की गई गोलाबारी में एक महिला की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए है। देर रात को पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों के जरिए कई हमले किए। सेना के एडीजीपीआई ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और सीएफवी का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा।

भारत-पाक तनाव के चलते आईपीएल 2025 को किया गया रद्द

● बीसीसीआई का बड़ा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में मौजूदा हालात को देखते हुए आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा कारणों से यह अहम निर्णय लिया है। बोर्ड जल्द ही इस पर आधिकारिक घोषणा कर सकता है। बता दें कि बुधवार को पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों पर ड्रोन से हमले किए, जिनका भारत ने सख्त जवाब देते हुए दुश्मन के कई ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया। हालांकि, इन हमलों की आंच IPL पर भी पड़ी। इसी दौरान धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जा रहा मैच बीच में ही रोकना पड़ा। इससे पहले, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पीओके समेत पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की थी। इसके बाद से ही हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम की, 7 आतंकी ढेर

एजेंसी

सांबा। भारत और पाकिस्तान के बीच इन दिनों भारी तनाव देखने को मिल रहा है. ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है. यही कारण है कि हमले की नाकाम कोशिश कर रहा है. 8 और 9 मई 2025 की दरमियानी रात को जम्मू फ्रंटियर बीएसएफ के सांबा सेक्टर में एक बड़े आतंकवादी समूह द्वारा घुसपैठ की कोशिश की गई, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया. क्स्स्र ने यहां पाकिस्तान की तरफ से भारत में घुसने की कोशिश कर रहे सात आतंकवादियों को ढेर कर दिया है. बीएसएफ ने जानकारी देते हुए बताया की 8-9 मई 2025 को, बीएसएफ ने

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कम से कम सात आतंकवादियों को मारकर और पाकिस्तान पोस्ट ढांढर को व्यापक नुकसान पहुंचाकर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया।

ध्यान दें! इंडिगो ने श्रीनगर, अमृतसर समेत कई शहरों के लिए कैंसिल की उड़ान

'कई शहरों के लिए उड़ानें 10 मई तक रद्द कर दी गई हैं।'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर कुछ उड़ानों पर भी पड़ा है। इंडिगो ने अपनी कई फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं। एयरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि कई शहरों के लिए उड़ानें 10 मई तक रद्द कर दी गई हैं। ट्रैवल एडवाइजरी में कहा है, ÷आपकी सुरक्षा और संरक्षा हमारी प्राथमिकता है। वर्तमान स्थिति के कारण, श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर, किशनगढ़ और राजकोट के लिए सभी उड़ानें 10 मई 2025 तक 23:59 बजे तक रद्द हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और सभी प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाए हुए हैं। हम आपको आधिकारिक तौर पर अपडेट देते रहेंगे। साथ ही आपकी यात्रा योजना में हर संभव मदद करने को तैयार हैं। आपकी समझदारी और धैर्य के लिए धन्यवाद। इंडिगो ने अपने एक्स अकाउंट पर रिफंड के लिए एक लिंक भी शेयर किया है। उन्होंने लिखा, 'आपकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित शहरों के लिए उड़ानें 10 मई तक 23:59 बजे तक रद्द हैं। हम आपकी यात्रा को आसान बनाने के लिए हैं। उड़ान की स्थिति को लिंक पर जाकर देखें और री-बुकिंग या रिफंड के लिए संपर्क करें। इससे पहले, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी कर सूचित किया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अगले आदेश तक देश के 24 हवाई अड्डों को नागरिक उड़ान परिचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। बढ़ते खतरे के जवाब में, कई भारतीय एयरलाइंस ने यात्रा संबंधी एडवाइजरी भी जारी की, जिसमें यात्रियों से सिक्योरिटी चेक को देखते हुए अतिरिक्त समय देने और बढ़ी हुई सुरक्षा जांच में सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

मंत्रालय ने बंद होने की अवधि या इस कदम के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया। हवाई अड्डों को बंद करना एक व्यापक सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसमें कई प्रभावित हवाई अड्डे अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब या रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थित हैं। नागरिक उड़ानों के बंद होने से उत्तरी और पश्चिमी भारत में कनेक्टिविटी प्रभावित होने की उम्मीद है, और यात्रियों से हवाई अड्डे पर जाने से पहले एयरलाइनों से जांच करने का आग्रह किया गया है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने देश की सभी एयरलाइंस और हवाई अड्डों से सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की सलाह दी है।

पाकिस्तान अब अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर घेरते हुए कहा कि उसने इतनी बड़ी हिमाकत कर दी है कि अब वह अपने वजूद के लिए संघर्ष करता दिखाई देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा अब दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने आज महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में पाकिस्तान पर यह टिप्पणी की। उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों के हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद हर भारतवासी ने पाकिस्तान को सबक सिखाने की ठान ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। आज पाकिस्तान दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और कराहता हुआ नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने पाकिस्तान के बेशर्मीपूर्ण रवैये पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भारत की कार्रवाई में मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी दुनिया की आंखें खोलने

वाली है। यह साबित करता है कि पाकिस्तान न केवल आतंकवादियों को संरक्षण देता है, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद में शामिल भी है। अब पाकिस्तान अपने वजूद के लिए जूझ रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर : राष्ट्रीय संकट की घड़ी में संपूर्ण देश सरकार और सैन्य बलों के साथ खड़ा : आरएसएस

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किए गए भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की तरफ से बयान जारी किया गया है। उन्होंने आतंकियों के खिलाफ जारी 'ऑपरेशन सिंदूर' का समर्थन करते हुए भारत सरकार और सैन्य बलों का हार्दिक अभिनंदन किया है। आरएसएस ने कहा कि राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'ऑपरेशन सिंदूर' की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही

निर्णायक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्य बलों का हार्दिक अभिनंदन। हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है।' पोस्ट में आगे लिखा गया है, 'हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियों, उनका ढांचा एवं सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों एवं नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए, उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।' आरएसएस ने आगे लिखा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों से आह्वान करता है कि शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

मांडर, ब्राम्बे में गोली लगने से युवती के मौत के मामले के आरोपी ने किया कोर्ट में सरेंडर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - ब्राम्बे गांव में 5 मई की रात को शादी समारोह में शामिल होने पहुंची अमिता खलखो 19 वर्ष की गोली लगने से मौत के मामले के आरोपी दीपक कुमार ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. मांडर पुलिस के अनुसार रातू के काटू लहना निवासी दीपक कुमार उर्फ दीपक गोप की गिरफ्तारी के लिए घटना के बाद से ही लगातार छापामारी की जा रही थी. जिससे दबाव में आकर उसने कोर्ट में सरेंडर किया है. अब आगे आवश्यक पूछताछ के लिए उसे शीघ्र ही रिमांड में लिया जाएगा!

चान्हो में 10 वीं की छात्रा से गैंगरेप

प्रेमी ने ही दोस्तों के साथ मिलकर दिया घटना को अंजाम

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय 10वीं कक्षा की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है. आरोप है कि छात्रा के प्रेमी ने ही अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ मिलकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है.पीड़िता ने प्राथमिकी दर्ज करायी है. इसके बाद चान्हो पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. प्राथमिकी के अनुसार, घटना बुधवार रात की है. रात में छात्रा को उसके प्रेमी ने फोन कर मिलने के लिए अपने गांव बुलाया था. गांव जाने पर उसके प्रेमी ने सुनसान जगह पर ले जाकर पहले उसके साथ दुष्कर्म किया. उसके बाद उसने अपने तीन अन्य दोस्तों को भी वहां बुला लिया और उन्होंने भी उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. बाद में वहां से किसी तरह पीड़िता अपने घर गयी और अपने साथ हुई घटना की जानकारी अपने परिवारवालों को दी. जिसके बाद परिजन पीड़िता को साथ लेकर गुरुवार को चान्हो थाना पहुंचे और प्राथमिकी करायी!

जागरूक रहें सुरक्षित रहें:रत्नेश सिंह सोलंकी

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज गुरुकृपा पब्लिक स्कूल,पिस्का मोड़,रांची में प्रशासन के निदेर्शानुसार मॉक ड्रिल के बारे मे विद्यार्थियों को बताया गया।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया तथा किसी भी आपदा,संकट अथवा युद्ध की स्थिति का सामना करने की टिप्स बतलाई गई। सायरन बजने के दौरान बचाव की आवश्यक जानकारी दी गई।मौके पर विद्यालय के निदेशक रत्नेश सिंह सोलंकी ने कहा जागरूक रहें सुरक्षिक रहें।हमें खुद की सुरक्षा करते हुए हर परिस्थिति का सामना आत्मनिर्भर होकर एवं डटकर करना चाहिए वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप मे उपस्थित छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा देश की रक्षा करना हमारा धर्म है।गलत अफवाह से बचें और प्रशासन के निदेर्शानुसार ही कोई भी कार्य करें।आज के मॉक ड्रील प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में निशा शाहदेव,पायल चक्रवर्ती,अंकिता डे सरकार,काव्या पांडे आदि आदि शिक्षिकाओं ने अहम भूमिका निभाई।

ड्राईजोन में संजीवनी बनी टैंकर पंचायतों में टैंकर से उपलब्ध कराया जा रहा पानी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ गांवों में पेयजलापूर्ति की समस्या को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर टैंकर की खरीदारी की गई है तथा पेयजल की दिक्कत ग्रामीणों में न हो इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जिस गांव में चापानल या पानी टंकी में जलस्तर कम हो गया है वैसे जगहों पर टैंकर का पानी संजीवनी बनी हुई है। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के पुसरभीटा गांव, पतरापाड़ा गांव, उदलबनी गांव, महेशपुर प्रखंड के भेटाटोला, पाकुड़िया प्रखंड के बनियापसार पंचायत सहित अन्य ग्रामों में ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। किसी भी पंचायत या ग्राम के ग्रामीणों को पेयजलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सम्पर्क करें, पेयजल उपलब्ध कराईं जायगी।

उपमुखिया के बेटे ने बढ़ाया गाँव का मान, राजमिस्त्री पिता का सपना हुआ साकार

रबीन्द्र कुमार पाण्डेय, केरेडारी (हजारीबाग)

केरेडारी प्रखंड के गर्रीकला पंचायत के उपमुखिया कौशल महतो के घर खुशियों की लहर दौड़ गई है। उनके पुत्र सत्यम कुमार निराला ने झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण इंस्ट्रक्टर परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर गाँव और परिवार का नाम रोशन किया है। उनका चयन झारखंड सरकार द्वारा संचालित आईटीआई रामगढ़ में वेल्डर विभाग के प्रशिक्षण अधिकारी (इंस्ट्रक्टर) के पद पर हुआ है। सत्यम के पिता कौशल महतो वर्षों से राजमिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। सत्यम ने पिता के संघर्ष को प्रेरणा बनाकर कठोर परिश्रम किया और आज गाँव के युवाओं के लिए मिसाल बन गए हैं। इस उपलब्धि से पूरे गाँव में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों ने मिठाइयाँ बाँटी और एक-दूसरे को बधाई दी। गाँव के बुजुर्गों का कहना है कि सत्यम की सफलता यह साबित करती है कि लगन, मेहनत और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सत्यम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा, ह्लमेरे पिता ने जीवनभर मेहनत की, उनका सपना था कि मैं कुछ बनूँ। आज जो भी हूँ, उन्हीं की बदौलत हूँ। सत्यम की यह सफलता गाँव के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। यह संदेश देती है कि अगर संकल्प मजबूत हो तो गाँव का कोई भी बेटा-बहू किसी भी ऊँचाई को छू सकता है।

रेलवेमेंस फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी ने कहा, जंग के दौरान हर परिस्थिति से निपटने के लिए रेलवेमैन हैं तैयार

संकट के समय में रेलकर्मियों को सिर्फ देश दिखता है

हर कुबार्नी के लिए तैयार हैं रेलवेमैन

नई दिल्ली: देश की जीवन रेखा रेलवे आम दिनों में यात्रियों की सुविधा के लिए काम करता है । लेकिन जरूरत पड़े तो देश की सुरक्षा और आपातकालिन स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में पीछे नहीं हटता है । ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि रेलवे हमारे देश में सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस है। रेलवेमैन ने हमेशा अपने आपको ऐसी परिस्थितियों में साबित किया है। 1962 में जब चीन ने आक्रमण किया और उसकी फौज काफी अंदर आ गई थी तब पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लुमडिंग डिविजन के कर्मचारियों ने अभूतपूर्व साहस का परिचय दिया था। बॉर्डर पर जरूरी सामान लेकर गई ट्रेन वहां बॉर्डर पर फंस गई तो उस समय उसके स्टेशन मास्टर से कहा गया कि सभी लोग भाग गए हैं।दूसरे लोग चले गए हैं, फौज पीछे हट गई है, आप क्यों नहीं जा रहे हैं।

तब उन्होंने कहा था कि हमारा साथी ट्रेन लेकर बॉर्डर पर गया है। जब वापस आएगा तभी हम जा सकते हैं, नहीं तो नहीं जा सकते हैं। इसी तरह सन 1965 में जब पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ तो गधरा रोड में हमारे जो ट्रैकमैन थे, उनपर पाकिस्तानी सेना ने बमबारी कर दी थी। उस बमबारी में सारी पटरियां क्षतिग्रस्त हो गई थीं। लेकिन कम पर जुटे गैंगमैन पीछे नहीं हटे। उस बमबारी के बीच हमारे लोगों ने पटरियां ठीक की और गोला-बारूद बॉर्डर पर पहुंचाने का काम किया। यही हालत अमृतसर के बॉर्डर औ बाघा बॉर्डर पर हुआ। रेलवेमैन ऐसी परिस्थितियों में रात-दिन काम करने के लिए जाने जाते हैं। आज की जो परिस्थिति है उसमें रेलवेमैन अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तैयार हैं। हम काम के घंटे नहीं देखेंगे, कोई ओवरटाइम नहीं मांगेंगे। हमें ऐसे समय में सिर्फ देश दिखता है। हम बार्डर तक गोला-बारूद और रसद पहुंचाएंगे। जो भी जरूरत होगी उसे पहुंचाएंगे। आने वाले समय में जो भी कुबार्नी देनी होगी, रेलवेमैन सबसे आगे आकर कुबार्नी देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने में एक ऑपरेशन चला था। उस समय 24 घंटे के अंदर हमने सारे देश से तमाम फौजियों को, गोला-बारूद और रसद को पहुंचाने का काम किया था। रेलवे का हर कर्मचारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय के साथ है। आतंकी और उन्हें पनाह देने वाले उनके आकाओं के खात्मे के लिए जो भी मदद की जरूरत होगी, रेलवेमैन हमेशा उसके लिए तत्पर होकर आगे खड़े रहेंगे।

डीसी ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में कार्यरत सभी कनीय अभियंता, सहायक अभियंता एवं अन्य कर्मियों से मुलाकात की एवं उनके कार्यक्षेत्र की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, शहरी क्षेत्र, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन तथा स्वच्छ भारत मिशन, 15 वे वित आयोग, शहरी जलापूर्ति, होल्डिंग टैक्स आदि की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान परिषद क्षेत्र में सफाई, स्ट्रीट लाइट,पेयजल समस्या एवं अन्य नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं नागरिकों को उचित रिस्पॉन्स दिया जाए। नगर परिषद क्षेत्र की बंदोबस्ती एवं राजस्व संग्रहण की जानकारी ली, नगर परिषद को राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया।उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र में सफाई, पेयजल आपूर्ति, बिजली एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की नियमित जांच एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उपायुक्त ने नगर परिषद, प्रशासक को निर्देशित किया कि सभी कर्मियों के कार्यों की गहन समीक्षा करें एवं अधिकारियों सहित सभी कर्मी भी नियमित रूप से फील्ड विजिट करें एवं शहरी क्षेत्र के समस्याओं को स्वयं जाकर देखे एवं उन समस्याओं का निवारण करें। पुराने दुकानों का नया दर 1200 रुपया निर्धारित है। सख्त कार्रवाई करते हुए दुकान का बकाया भाड़ा वसूल करना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। शहरी जलापूर्ति योजना के तहत शहर के लोगों को निर्बाध रूप से पानी मिले इसे सुनिश्चित करें। इस दौरान मुख्य रूप से नगर परिषद, प्रशासक अमरेन्द्र कुमार चौधरी, सीटी मैनेजर मृत्युंजय पांडे, सिटी मिशन मैनेजर मनीष कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता पीयूष कुमार, सभी कनीय अभियंता, प्रधान सहायक जय बर्मन सहित एवं कर्मी मौजूद रहें।

केंद्रीय टीम ने कालाजार प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ कालाजार उन्मूलन के लिए केंद्रीय टीम द्वारा पाकुड़ जिले के कालाजार प्रभावित गांव का निरीक्षण किया गया। तीन दिवसीय दौरे पर आयी टीम द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा कुटलो गांव और अमड़ापाड़ा प्रखंड के बदाहा गांव का निरीक्षण किया जहां से संतोषजनक परिणाम प्राप्त हुए। आईआरएस गतिविधियां प्रभावी ढ़ंग से क्रियान्वित पाई गई और रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार देखा गया जो मजबूत स्वास्थ्य सेवा समर्थन को दशार्ता है। लिट्टीपाड़ा प्रखंड में टीम ने सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया। जहां कालाजार रोगियों के बीच पोषण कीट का वितरण किया गया ताकि उनकी रोक प्रतिरोधक क्षमता और स्वास्थ्य में सुधार हो सके। इसके अलावा कालाजार चैंपियन- जो समुदाय स्वास्थ्य कार्यकर्ता है और बीमारी नियंत्रण में अहम भूमिका निभा रहे हैं उनको टी शर्ट, टोपी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही कालाजार के मरीजों से मुलाकात कर आवश्यक जानकारी दी गई तथा फीडबैक लिया गया। टीम के अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा प्रशासन की कालाजार उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है और इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी तथा फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित भूमिका को प्रमुख माना है।आगे की कार्य योजना के तहत राष्ट्रीय और राज्य स्तर की टीमों ने जिला और प्रखंड स्तर पर रोगियों की चिकित्सा देखभाल, वेक्टर निगरानी, आईआरएस की गुणवत्ता में सुधार और पोषण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के विस्तार की सराहना की। उन्होंने कहा कि झारखंड के कुछ जिलों में अभी भी कालाजार एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है, लेकिन पाकुड़ जैसे जिलों में तेजी से हो रहे प्रयास राज्य को कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य के करीब ला रहे हैं। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक, एनवीबीडीसीपी, केंद्रीय टीम डॉक्टर छवि पंत जोशी, राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर राजत रंजन, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, भीबीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ कौशलेश कुमार सिंह, डब्ल्यूएचओ की राज्य और जोनल टीम, राज्य और जिला पिरामल टीम, राज्य कालाजार सलाहकार सहित अन्य मौजूद रहे.

जंतर-मंतर से निकली 'जय हिन्द यात्रा' यात्रा में शामिल हुए देवघर के सुशोभित झा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में जारी भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में कांग्रेस द्वारा नयी दिल्ली के जंतर-मंतर से निकाली गई 'जय हिन्द यात्रा' में देवघर के कांग्रेस नेता सुशोभित झा ने हिस्सा लिया। यह यात्रा आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सेना के साहस को सलाम करने के उद्देश्य से निकाली गई थी। दिल्ली में यह यात्रा शाम 4 बजे से जंतर-मंतर से निकाली गई। इस यात्रा में कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं जिनमें से सचिन पायलट, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, पवन खेड़ा, देवेंद्र यादव, सौरभ शुक्ला अनिल चौधरी, हारून यूसुफ, संदीप दीक्षित, रागिनी नायक और काजी निजामुद्दीन सहित हजारों लोग शामिल हुए। कांग्रेस नेता सुशोभित झा ने कहा कि यह यात्रा आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र की एकजुटता का प्रतीक है और जनता के बीच यह संदेश है कि इस कठिन घड़ी में पूरा देश सेना के साथ खड़ा है।जय हिंद यात्राह्व के जरिए कांग्रेसियों ने देश के नागरिकों से शांति, एकता और राष्ट्रहित में संयम बनाए रखने की अपील की।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, भू अर्जन से संबंधित एवं रोजगार आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

देवघर पुलिस के द्वारा अभी तक का सबसे बड़ा ब्लड डोनेशन ऑन व्हील्स अभियान के तहत 208 यूनिट रक्तदान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अजीत पीटर डुंगडुंग, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह व अन्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। एसपी ने रक्तदान को मानवता का प्रतीक बताते हुए बताया कि देवघर जिले में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को नियमित रक्त की आवश्यकता होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह शिविर आयोजित किया गया। इस पुनीत कार्य में 208 पुलिसकर्मी एवं युवाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। रेडक्रॉस देवघर ने सफल आयोजन के लिए देवघर पुलिस परिवार व सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। आगामी 11 मई को मधुपुर अनुमंडल में भी रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

ब्लड डोनेशन ऑन व्हील्स अभियान के अंतर्गत देवघर जिला पुलिस द्वारा एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें देवघर अनुमंडल व सारठ अनुमंडल पुलिस बल ने ऐतिहासिक 208 यूनिट रक्तदान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह शिविर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारठ एवं देवघर ब्लड बैंक में आयोजित हुआ। शिविर का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक एवं रेडक्रॉस उपाध्यक्ष

चतरा के जमुनीटांढ़ में इसी एल और श्रील फाउंडेशन के सौजन्य से लगा मेगा हेल्थ कैम्प, 173 ग्रामीणों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर. आज ईस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, चितरा, झारखंड के चितरा पंचायत के उ. प्राथमिक विद्यालय, जमुनीटांढ़, दमगढ़ा में नियमित सामाजिक दायित्व सीएसआर के तहत मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन इसीएल , चितरा के सौजन्य से श्रील फाउंडेशन, देवघर के द्वारा किया गया।उल्लेखनीय है कि कैंप के अंतर्गत चार प्रकार की निःशुल्क जांच एवं दवा वितरण की व्यवस्था की गई, जिसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग, जनरल फिजिशियन, दंत रोग एवं नेत्र जांच शामिल है। चिकित्सक क्रमशः डॉक्टर प्रियंका, डॉक्टर राजन यू खान, डॉ प्रज्ज्वल कुमार एवं निशा कुमारी के टीम के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एकल इसीएल के अधिकारी संतोष पधान, एपीएम एवं निशांत राय सीएसआर अधिकारी, चितरा की उपस्थिति रही। कैंप में स्वास्थ्य लाभ 173 ग्रामीणों ने उठाया। कैंप को सफल बनाने में फाउंडेशन के 20 स्वयंसेवकों ने संस्था के सचिव राकेश वर्मा के नेतृत्व में सहभागिता अदा की।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, भू अर्जन से संबंधित एवं रोजगार आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: ट्रैक साइक्लिंग में बिहार की बेटियों ने दिखाया दमखम, ओवरऑल चैंपियनशिप में प्राप्त किया तीसरा स्थान

समापन पर मुख्यातिथि रेजीडेंट कमिश्नर बिहार सरकार श्री कुंदन कुमार ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नई दिल्ली,। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, दिल्ली में ट्रैक साइक्लिंग स्पधाओं का शानदार समापन हुआ। ट्रैक पर रफ्तार और जोश की इस जंग में झारखंड की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने परचम लहराया। बिहार की लड़कियों ने भी कड़ी टक्कर दी और तीसरा स्थान हासिल करने में सफल रहीं। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बिहार के रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार(आईएएस) और मध्यप्रदेश सरकार के सचिव श्री जॉन किंग्सले(आईएएस) उपस्थित रहे। दोनों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया और सभी राज्यों के प्रतिभागियों को उनके समर्पण व प्रदर्शन के लिए बधाई दी। रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार ने बिहार की गर्ल्स साइक्लिस्ट से भी मुलाकात की और बिहार का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई दी। जबकि इस दौरान स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आईजी स्टेडियम एडमिनिस्ट्रेटर श्री अतुल कुमार सिंह, ज्वाइंट एडमिनिस्ट्रेटर श्री विजय भट्ट, लेबर कमिश्नर बिहार सरकार एवं उअड बिहार भवन श्री कुमार दिग्विजय, अफ्ठ बिहार भवन श्री शम्स अफरोज और उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क श्री दिनेश कुमार भी मौजूद रहे। लड़कियों की श्रेणी में झारखंड ने 2 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 16 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस जीत में सबसे अहम योगदान टीम स्प्रिंट इवेंट में आए 1 गोल्ड मेडल का रहा, जिससे टीम को सीधे 10 अंक प्राप्त हुए। राजस्थान ने 3 गोल्ड मेडल हासिल कर 15 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बिहार ने 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के जरिए 10 अंक जुटाकर तीसरी पायदान पर जगह बनाई। तीसरा स्थान प्राप्त करने में अहम योगदान टीम स्प्रिंट में आए 1 सिल्वर मेडल का रहा। जिससे बिहार टीम को 6 अंक प्राप्त हुए थे ।

लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने अपना दबदबा कायम रखते हुए 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 19 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। झारखंड ने 1 गोल्ड और 2 सिल्वर के साथ 14 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड की टीम स्प्रिंट में आई जीत निर्णायक रही। जिस वजह से वह महाराष्ट्र को पछाड़ने में सफल रहा। महाराष्ट्र ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर के बल पर 13 अंक के साथ तीसरा स्थान पाया। पूरे टूनार्मेंट के दौरान ट्रैक पर खिलाड़ियों की रफ्तार के साथ-साथ दर्शकों का जोश भी चरम पर रहा। हर रेस, हर मोड़ पर तालियों की गूंज ने माहौल को और जीवंत बना दिया। आयोजकों की माने तो ट्रैक साइक्लिंग में इस बार रिकॉर्ड संख्या में राज्य और खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो खेलो इंडिया की सफलता और विस्तार का प्रमाण है।

संक्षिप्त समाचार

दोनों पैर गंवाने के बाद युवा के जिंदगी में मसीहा बनकर आए अजहर

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः जिंदगी खत्म सी लग रही थी... लेकिन किसी ने उम्मीद बनकर साथ दिया।ª ये शब्द हैं सीतापहाड़ी पंचायत के टुटूल खान के, जो छह साल पहले एक हादसे का शिकार हुए थे। घर पर कांग्रेस का झंडा लगाते वक्त वे बिजली के तार की चपेट में आ गए। करंट इतना जबरदस्त था कि उनके दोनों पैर काटने पड़े। परिवार टूट चुका था। न नौकरी रही, न हिम्मत बची। ऐसे वक्त में आगे आए समाजसेवी और पूर्व एनडीए प्रत्याशी अजहर इस्लाम। उन्होंने न सिर्फ टुटूल खान का साप्ताहिक खर्च उठाया, बल्कि चुनाव खत्म होने के बाद उन्हें राजस्थान भेजकर अपने निजी खर्च पर कृत्रिम पैर लगवाए। आज टुटूल फिर से चलने लगे हैं, जीवन में उम्मीद लौटी है। अब टुटूल अपने दम पर खड़े हैं और धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं। ये सिर्फ मदद नहीं, इंसानियत की एक मिसाल है। अजहर इस्लाम बोलेःªजो भी कर सका, वो इंसान होने के नाते किया। कोई भी अकेला न महसूस करे, यही मेरी कोशिश रहती है।

सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइकः पाकिस्तान के लिए चेतावनी, भारत की एकता का प्रतीक

देवघर। भारत सरकार और भारतीय सेना की ओर से किया गया सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक देश की सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस सर्जिकल स्ट्राइक को भारत की सैन्य शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और यह पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी भी है। इस मुद्दे पर बात करते हुए, देवघर के कांग्रेस के युवा नेता प्रियांशु सिंह ने इस सर्जिकल स्ट्राइक का पुरजोर समर्थन किया और इसे भारत की एकता और ताकत का प्रतीक बताया। प्रियांशु सिंह ने कहा, हम इसे सिर्फ एक सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि भारत सरकार और इंडियन सेना की एक मजबूत योजना के रूप में देखते हैं। इस सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान को यह संदेश गया है कि भारत अपनी सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, पूरा भारत एकजुट था, एकजुट है और हमेशा एकजुट रहेगा। इस सर्जिकल स्ट्राइक ने हमारी सामूहिक शक्ति और संकल्प को और मजबूत किया है। सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक न केवल पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की साहसिक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि यह भारत के अडिग और मजबूती से खड़े होने के प्रतीक के रूप में भी प्रतिष्ठित हो चुका है।

सीएस ने रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष से किया पत्राचार

नए सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष भवन को दो दिनों के अंदर खाली करने का निर्देश

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-सिविल सर्जन जुगल किशोर चौधरी ने रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन को एक आवेदन प्रेषित कर निर्देशित किया है कि नए सदर अस्पताल परिसर स्थित रक्त अधिकोष भवन को दो दिनों के अंदर खाली किया जाए। इस बावत कमरे के दरवाजे में एक सूचना भी चिपकाया गया है।वहीं जिला के उपायुक्त द्वारा भेजे गए पत्र के आलोक में कहा गया है कि नए अस्पताल स्थित निर्मित नई रक्त अधिकोष भवन जिसमें रेड क्रॉस सोसायटी कार्यालय संचालित है को खाली करना है।सीएस को मिले प्राप्त निर्देश के आलोक में निर्देशित है कि दो दिनों के अंदर उक्त भवन को खाली कर अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।साथ ही पूर्व में संस्था को उपलब्ध करवाये गए फर्नीचर आदि को भी हस्तानांतरण करना सुनिश्चित करेंगे।वहीं सूत्रों की मानें तो वर्तमान में पुराने सदर अस्पताल के रक्त अधिकोष को नए सदर अस्पताल में शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही है।नए सदर अस्पताल स्थित रेड क्रॉस के भवन में कार्यालय के उपयोग के साथ साथ रक्तदान करवाया जाता था।प्राप्त जानकारी के अनुसार नए सदर अस्पताल में इलाजरत मरीज के परिजनों को टावर चौक स्थित पुराने सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष से दूरी के कारण रक्त लाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, खासकर रात्रि के समय समस्या ज्यादा उत्पन्न हो रही थी,इन सभी चीजों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

दूरमट्टा गांव में विश्व कल्याण हेतु महारुद्र यज्ञ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

तारापुर अनुमंडल के दूरमट्टा गांव में चल रहे श्री श्री 1008 विश्व कल्याण महारुद्र सह अखंड रामधुन में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर लोग विधिवत पूजा कर रहे हैं। वैदिक मंत्रों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया है। रात्रि में प्रवचन का आयोजन हो रहा है। कथा वाचन के लिए वृंदावन से 10 वर्षीय बाल व्यास देवी अंशिका पहुंची हैं। उनके श्रीमुख से राम कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। यज्ञ में पंडित सुनील झा सहित 16 पंडित आहुति दे रहे हैं। श्रद्धालु विशाल भंडारे में महाप्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। यज्ञ समिति के अध्यक्ष हीरालाल कापरी ने बताया कि यज्ञ से विश्व का कल्याण होता है। इसलिए समय-समय पर महायज्ञ जरूरी है। श्रद्धालुओं के लिए 111 देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। मनोरंजन के लिए टॉवर झूला, नौका झूला, मिक्की माउस, गन शूटिंग और मीना बाजार लगाया गया है। यज्ञ 11 मई को हवन पूजन और विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगा।

30 वें दिन देवघर में यात्री बसों की हड़ताल खत्म

विधायक ने डीटीओ और बस एसोसिएशन के साथ वार्ता के बाद हड़ताल खत्म करवाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। शहर के पुराना मीना बाजार स्थित बस स्टैंड को बंद कर बाघमारा आईएसबीटी में शिफ्ट करने के विरोध में बस ऑनर एसोसिएशन की हड़ताल 30 वें दिन शुक्रवार को खत्म हो गई। स्थानीय विधायक सुरेश पासवान की पहल पर डीटीओ ने बस ओनर एसोसिएशन के साथ बैठक कर हड़ताल खत्म करने की घोषणा की। अब नियमित रूप से देवघर समेत अन्य रुटों पर यात्री बसों का परिचालन हो सकेगा। बस स्टेशन के अध्यक्ष दिनेशानंद झा ने बताया कि उन लोगों ने दो स्थानों पर स्टॉपेज की मांग की है, जिस पर रविवार को डीसी से मिलकर निर्णय लिया जाएगा। वैसे बसों की हड़ताल खत्म हो गई है। विधायक सुरेश पासवान ने बताया कि जनहित को देखते हुए उन्होंने हड़ताल खत्म करने के लिए बस एसोसिएशन से वार्ता की। एसोसिएशन ने उनकी बात को माना और हड़ताल खत्म करने पर राजी हुए। 10 अप्रैल से पुराना मीना बाजार के बस स्टैंड को बंद कर बाघमारा आईएसबीटी में शिफ्ट किया गया है और उसी दिन से बस मालिक भी हड़ताल पर चले गए थे। इस कारण रोजाना करीब 20 हजार यात्री और श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही थी। बासुकीनाथ जाने के लिए श्रद्धालुओं को टेंपो और ई रिक्शा में दोगुना और तिगुना किराया देना पड़ रहा था क्योंकि हड़ताल के कारण उस रूट पर एक भी बस नहीं चल रही थी। हड़ताल के कारण प्राइवेट बस स्टैंड से खुलने और पहुंचने वाली करीब 150 बसों का परिचालन अनिश्चितकाल के लिए ठप था। दुमका, गोड्डा, भागलपुर, मधुपुर ,गिरिडीह रांची, पटना आदि शहरों से देवघर के लिए डेली बस सर्विस है, लेकिन हड़ताल के कारण बसों के पहिए थम गए थे। जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही थी। एसोसिएशन का कहना है कि बाघमारा आईएसबीटी शहर से दूर है, इसीलिए यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। अलबत्ता बस स्टैंड को यथावत रखा जाए।

तारापुर के कल्याणपुर पुरानी सकरी नदी में मिला महिला का गला सड़ा शव

परिजनों ने मृतका के कपड़ा से किया पहचान

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

हरपुर थाना क्षेत्र के अफजलनगर पंचायत अंतर्गत कल्याणपुर गांव स्थित पुरानी सकरी नदी से गुरुवार की सुबह एक महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान टेटियाबंबर थाना क्षेत्र के टेटिया गांव स्थित कुशवाहा टोला निवासी पंकज कुमार की 40 वर्षीय पत्नी अरूणा देवी के रूप में की गई है।मृतका की पहचान उसकी बेटी प्रियम कुमारी बेटा श्याम कुमार ने नदी के बांध पर पड़े कपड़ों के आधार पर की। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अरूणा देवी की हत्या गांव के ही कुछ लोगों ने रंजिश से की है और साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंक दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही हरपुर थानाध्यक्ष सोनू कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से महिला की मौत के करणों का पता चल पायेगा। पुलिस पीड़ित परिजनों के द्वारा आवेदन देने पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी। थानाध्यक्ष ने कहा कि नामजद आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य जुटाकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।मृतका तारापुर थाना क्षेत्र के धनपुरा गांव के रहने वाले स्व. बेरासी सिंह की बेटी थी। जिसकी शादी टेटिया गांव के कुशवाहा टोला निवासी पंकज कुमार के साथ की गई थी। हरपुर थाना के समीप मौजूद मायके वालों की मानें तो अरूणा देवी 04 मई की संध्या से ही अपने गांव टेटिया से लापता थी। इसके लापता होने की सूचना परिजनों ने टेटियाबंबर थाना को लिखित रूप से दिया था। मृतका अपने पिछे पति पंकज कुमार,तीन पुत्री एक पुत्र को छोड़ गई है। दो पुत्री की शादी हो चुकी है।

आसा पार्टी के नेताओं ने दिवंगत जदयू नेता को देश श्रद्धांजलि

प्रीतम सिंह ने कहा - पिता की तरह राजनीति में आगे बढ़ाने के लिए हर संभव राह दिखाते थे ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह

दिव्य दिनकर पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश सलाहकार समिति सदस्य सह जिला क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह के शोकाकुल परिवार से मुलाकात करने के लिए शुक्रवार को गुरुद्वारा रोड केशोपुर स्थित उनके आवास पर पहुंचे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल ने ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को अपना राजनीतिक गुरु बताते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। आसा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल सहित राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय केसरी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार राय तथा मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने दिवंगत जदयू नेता बटेश्वर सिंह के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्रीतम सिंह तथा आशा पार्टी के नेताओं ने शोकाकुल परिवार को हर संभव सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया। प्रीतम सिंह ने आगे कहा कि ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह ने अपने जीवन के लगभग 60 वर्ष से अधिक समय समाज सेवा तथा राजनीति के लिए समर्पित कर दिया था। उनके राजनीतिक सूझबूझ के आगे बड़े-बड़े नेता पनाह मांगते थे। उन्होंने कहा कि एक पिता की तरह राजनीति में ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह सदर उन्हें मार्गदर्शन देते थे। तथा एक गुरु के समान सामाजिक और राजनीतिक चेतना जागृत करने की दिशा में शिक्षा भी देते थे। राष्ट्रीय महासचिव संजय केसरी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार राय तथा मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह समता पार्टी के स्थापना काल में वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जॉर्ज फर्नांडिस तथा शरद यादव जैसे दिग्गज नेताओं के साथ राजनीति कर अपनी पहचान बनाई है। लेकिन वर्तमान सरकार तथा जनता दल यूनाइटेड ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को उनके योगदानों के मुताबिक सम्मान नहीं दे रही है। यदि राज्य सरकार तथा जदयू पार्टी ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह जैसे जदयू के कद्दावर नेता रहे ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को मरणोपरांत सम्मान नहीं देती है तो आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह के हाथों उन्हें मरणोपरांत सम्मान दिलाया जाएगा। तथा उनके परिवार से यदि कोई उनके राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए इच्छा जाता आएगा तो उन्हें पार्टी में उचित सम्मान दिया जाएगा। यही उनकी ओर से अपने राजनीतिक गुरु ब्रह्मलीन बटेश्वर सिंह को उनकी ओर से सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कुशल युवा कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के बढ़ौनियाँ गांव में राजकुमार एवं लाल जी उच्च विद्यालय, बढ़ौनियाँ में DRCC मुंगेर की टीम द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जागरूकता एवं काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी छात्रों को दी गई। इन योजनाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने, स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं डिजिटल दक्षता को मजबूत करने पर बल दिया गया।कार्यक्रम में उपस्थित उप्रऌउ मैनेजर सुनीरा प्रसाद ने छात्रों को इन योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।साथ ही इस अवसर पर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे SVEEP (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम) के अंतर्गत लोकतंत्र की महत्ता, मतदान की प्रक्रिया एवं मतदाता सूची में नाम जोड़ने की जानकारी दी गई।नवीन मतदाताओं को शपथ दिलाई गई कि वे किसी भी दबाव या प्रलोभन में आए बिना निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाएंगे। कार्यक्रम में BDO, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, BLO, स्थानीय मतदाता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम ने जहां छात्रों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं उन्हें जागरूक मतदाता बनने की प्रेरणा भी दी।

डीएम साहब ! मदरिया नदी की सरकारी जमीन पर भू -माफियाओं की गुंडागर्दी पर आखिर कब लगेगा लगाम

तूल पकड़ने लगा मदरिया नदी के सरकारी जमीन घेराबंदी का मामला ,कसता जा रहा 'घेराबंदी' का शिकंजा, गोलबंद होने लगे किसान और ग्रामीण

रंजीत विद्यार्थी /आशीष कश्यप

धरहरा (मुंगेर): मुंगेर जिले के नक्सल प्रभावित धरहरा प्रखंड अंतर्गत बंगलवा पंचायत के सुमेरी पथरी मौजा में मदरिया नदी को लेकर जमीन पर जंग छिड़ चुकी है। एक ओर किसान हैं, जिनकी फसलों और मवेशियों का जीवन इसी नदी पर निर्भर है,वही दूसरी ओर भू-माफिया, जो इस सरकारी नदी को घेराबंदी कर कब्जा जमाने पर आमादा हैं। जानकारी के मुताबिक, हाल ही में दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसानों ने डीएम को आवेदन देकर गुहार लगाई है कि पहाड़ी जलस्रोत से बहने वाली मदरिया नदी की घेराबंदी पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन विरोध के बावजूद भू-माफिया ने अपने काम की रफ्तार और तेज कर दी है. जिला प्रशासन ने बाउंड्री वॉल काम पर रोक लगा दिया था, जो फिर से चालू हो गया है. यूं कहें कि भू - माफिया जिला प्रशासन द्वारा कार्य बंद कराए जाने के बाद भी कार्य को तेजी से करा जिला प्रशासन को खुलेआम चुनौती दे रहे है. किसानो की पुकारः मदरिया नदी नहीं, जीवन की धारा है. किसानों का साफ कहना है कि मदरिया नदी उनके खेतों की सिंचाई का एक मात्र सहारा है। यदि इसे बंद कर दिया गया, तो दर्जनो गांवों के सैकड़ों किसान जल संकट में डूब जाएंगे। फसलें सूख जाएंगी, मवेशी प्यासे मरेंगे और गांवों में हाहाकार मच जाएगा।

बोले, धरहरा के जनप्रतिनिधि

नक्सल प्रभावित धरहरा प्रखंड के बंगलवा पंचायत की मुखिया करमी देवी , समाजसेवी परमानंद माझी , पूर्व प्रखंड प्रमुख सह बंगलवा की पंचायत समिति सदस्य फुला देवी ने कहा कि लकड़कोला स्थित सुमेरी पथरी मौजा मे मदरिया नदी को भी भू मालिको द्वारा घेरा जाना निंदनीय है , इस धरोहर को बचाने के लिए जिला प्रशासन को आगे आने की आवश्यकता है, ताकि सरकारी गैर मजरूआ जमीन के साथ ही मदरिया नदी सुरक्षित रह सके ।

वन विभाग और प्रशासन भी हरकत में

मामला जब तूल पकड़ने लगा, तो वन विभाग भी सक्रिय हुआ। विभाग ने संबंधित भूमि मालिक को पहाड़ी किनारे की जा रही घेराबंदी पर रोक लगाने का आदेश दे दिया है। वहीं, अंचल कार्यालय से राजस्व कर्मचारी सीताराम मधुर ने स्थल निरीक्षण कर घोषणा की है कि जल्द ही नदी की पैमाइश कर वस्तुस्थिति स्पष्ट की जाएगी। डीसीएलआर मुंगेर, अन्नु कुमार ने भी भरोसा दिलाया है कि जमीन की जांच करवाई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी। अंचलाधिकारी बीरेन्द्र कुमार ने भी छुट्टी के बाद जब ग्रामीणो द्वारा दिए गऐ आवेदन के आधार पर जमीन की पैमाईश कराकर वस्तु स्थिति से अवगत होने की बात कही । क्या प्रशासन वाकई नींद से जागा है, या यह महज औपचारिकता है? अब देखना यह है कि प्रशासनिक जांच कितनी निष्पक्ष और तेज होती है। क्या भू-माफिया की पकड़ टूटेगी? या फिर मदरिया नदी भी धीरे-धीरे सूखती सरकारी संपत्ति की एक और मिसाल बन जाएगी ।

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है।

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की

लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है।

वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्चत्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्ध कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुदृद्ध होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

संपादकीय

भारत का करारा जवाब

जैसी उम्मीद थी भारत ने पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां पल-बढ़ रहे आतंकवादियों को दिया। मंगलवार देर रात सेना के लड़ाकू विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों को जमींदोज कर दिया। इनमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण शिविर और मुख्यालय शामिल हैं। खुद पाकिस्तानी सेना ने भारत के इस रणनीतिक हमले को स्वीकारते हुए कहा कि इन हमलों में कम-से-कम 31 लोग मारे गए और 57 अन्य जख्मी हैं।

दरअसल, कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की कायरतापूर्वक हत्या किए जाने के बाद से ही देश में उबाल है। सरकार पर इस बात का भारी जन दबाव था कि वह पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाए। उस घटना के बाद से ही यह कयास लगाए जाने लगे थे कि भारत पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। अच्छी बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के किसी रिहायशी इलाकों में बम नहीं गिराए। बेहद सटीक और गुप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने उन अड्डों को चुना जहां आतंकवादी न केवल ट्रेनिंग लेते हैं बल्कि उनके परिवार के लोग भी शरण पाए हुए थे। स्वाभाविक है, कई दिनों की बैठकों के बाद केंद्र सरकार और सेना के आला अधिकारियों के दिलोदिमाग में था कि इस बार चुन-चुनकर आतंकवादियों को जहन्नुम पहुंचाया जाए। सरकार की हरी झंडी मिलते ही सेना अपने काम में जुट गई। हालांकि अभी भी दोनों देशों के बीच भारी तनाव की स्थिति है। पाकिस्तान इतने पर भी यह समझ पाने में असमर्थ है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने या उसका इस्तेमाल पड़ोसी मुल्क में करने के नुकसान भयावह हैं, मगर वह इसे मानने को राजी नहीं है। कई सारे देशों ने भारत की कार्रवाई पर संयमित टिप्पणी की है और तनाव को कम करने का सुझाव भी दिया है, मगर लाख टके का सवाल यह है कि पाकिस्तान को समझाने-बुझाने की बजाय तनाव को और ज्यादा बढ़ाने से केवल पाकिस्तान का ही नुकसान होगा। किसी के इशारों या उसकी गोद में खेलने की बजाय पाकिस्तान के हुक्मरानों को आतंकवाद का खेल अब जमीन में गाड़ देना चाहिए। वहां की अवाम को भी अपनी सरकार से अमन और सौहार्द से रहने का दबाव बनाना चाहिए।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया?

रोटी, शाक, चावल और मिठाई।

केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई

केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

जय हिंद ... जय हिंद की सेना

राधा रमण

दुनिया जानती है कि मानव सभ्यता के लिए आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है और पड़ोसी देश पाकिस्तान इसका पोषक। इसको लेकर भारत समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर मामला उठाते रहा है। देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान के शासक और पाकिस्तान की सेना को जब भी मौका मिला उन्होंने भारत और भारतीयों के सीने में खंजर भोंकने की कोशिश की। देश ने हर बार इसका प्रतिवाद किया लेकिन दुष्ट पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। आजादी के बाद पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत से आमने-सामने की युद्ध किया और हर बार बुरी तरह पराजित हुआ। उसके सैनिकों तक ने सरेंडर किया। उसकी सैकड़ों एकड़ जमीन भारत के कब्जे में आई। लेकिन हर बार माफी मांगने के बाद भारत ने उसे माफ कर दिया। कहने की जरूरत नहीं कि दुनिया को अब पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज का भारत नया भारत है। यह न तो किसी पर अन्याय करता है न अन्याय सहता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो वर्षों से कहते रहे हैं कि ह्यहम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर किसी ने अकारण छेड़ा तो छोड़ेंगे भी नहीं।ह्य

ताजा मामला पिछले माह की 22 अप्रैल का है जब परिवार के साथ पहलगाम के बायसरन घूमने गए निहत्थे पर्यटकों पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और धर्म पूछ-पूछकर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। दुखद और दर्दनाक यह कि उन्होंने महिलाओं के सामने ही उनके पतियों को मारकर उनकी मांग का सिन्दूर पोंछ दिया। यही नहीं तब से लेकर 6 मई की रात तक पाकिस्तानी सेना सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करती रही। आखिर भारत कब तक चुप बैठता ! हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री लगातार दुनिया के देशों को पाकिस्तान की हरकत बताते रहे, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश के विपक्षी दलों से उनकी राय पूछी तो सबने मुक्तकंठ से सरकार को देश रक्षा के लिए कदम उठाने की खुली छूट दे दी। नतीजतन, राष्ट्रपति की सलाह पर सरकार ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय बेटियों के सामने उनकी मांग का सिन्दूर पोंछनेवाले आतंकियों को सबक सिखाने के लिए इस मिशन का नाम ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्ण रखा और कहा कि, समय, स्थान और तरीका सेना खुद तय करे।

फिर 6-7 मई की रात जो कुछ हुआ उसे दुनिया ने देखा। रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच महज 25 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी आतंकियों की चूल हिला दी। पाकिस्तान सीमा के भीतर 100 किलोमीटर घुसकर उसके नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण स्थल बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह, तेहरां कला स्थित सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल शामिल है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकाने मुरीदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में सवाई नाला पर बम बरसाये गए। इसके अलावा हमारे जाबांज हिजबुल मुजाहिद्दीन की शरणस्थली कोटली का मरकज राहिल शाहिद (गुलपुर कैंप) और सियालकोट स्थित मेहमूना जोया पर काल बनकर टूटे। लक्षित हमले में पांच गुलाम कश्मीर (पीओके) और चार पाकिस्तान के हैं। भारतीय सेना के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के नौ परिजन और 5 शागिर्द भी मारे गए हैं। बताया तो यह भी जाता है कि इनमें मसूद अजहर का छोटा भाई अब्दुल रऊफ अजहर भी मारा गया। अब्दुल रऊफ जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशन हेड होने के साथ-साथ मसूद अजहर का दाहिना हाथ माना जाता था। बताया जाता है कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या अब्दुल रऊफ अजहर ने ही की थी। वर्ष 1999 में हुए भारतीय विमान आईसी-814 के अपहरण में भी अब्दुल रऊफ अजहर का नाम आया था। उसे विमान अपहरण का मास्टर माइंड बताया गया था। उस मामले में तत्कालीन सरकार ने जिन तीन आतंकियों को जेल से रिहा किया था, उसमें मसूद अजहर भी शामिल था।

आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पिछले 25 वर्षों से निरीहों की मौत का सौदागर मसूद अजहर अपनों की मौत पर जार-जार रोते दिखाई पड़ रहा है। रोते-रोते वह कहता है कि ह्यवह देखने से पहले काश, मैं भी मर गया होता।ह्य मसूद अजहर पहले हरकत-उल-मजाहिद्दीन और हरकत-उल-अंसार का कमांडर हुआ करता था। आजकल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की पनाह में एबटाबाद के किसी गुप्त ठिकाने पर मुंह छिपाकर बैठा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर छापामार हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में ब्यौरा देते हुए बताया कि भारतीय सैन्य हमले में सौ से अधिक आतंकी मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्ण अभी बंद नहीं किया गया है। अभी तक हमने पाकिस्तानी नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर आक्रमण नहीं किया है। हमने अभी केवल कुछ आतंकी ठिकाने नष्ट किये हैं। यह बानगी भर हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। अगर, इतने पर भी नापाक पाकिस्तान अपनी हिमाकत और हरकत से बाज नहीं आया तो भारत फिर धावा बोलेगा। हमारी सेना पाकिस्तान से सीधी लड़ाई के लिए भी कमर कसकर तैयार है। निःसंदेह ऐसा कहकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी है। भारतीय सैनिकों की जांबाजी से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए हैं। कल तक परमाणु हथियार की गीदड़भभकी देनेवाले पाकिस्तानी राजनेता अब विश्व समुदाय के पास भारत से बचाने की गुहार लगाते फिर रहे हैं। हालांकि आतंक की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान में वहां के राजनेताओं की कम ही चलती है। वहां सरकार पर सेना का नियंत्रण रहता है और आतंकियों को सेना की शह मिलती रही है। यही कारण है कि 8 मई की रात आतंकियों के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, मेंढर, पुंछ, अवंतीपोरा, सांबा, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर, फालोदी, भुज आदि कई स्थानों पर 50 से अधिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया जिसे भारतीय सेना ने आकाश में ही नाकाम कर दिया। यही नहीं, जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान का लाहौर और कराची स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम और रावलपिंडी का स्टेडियम तबाह कर दिया। भारत ने ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्ण के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान भारत से खुला युद्ध करने और आमादा है। दूसरी तरफ उसकी आर्तरिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान को बलूच विद्रोहियों से निपटना भी मुश्किल हो रहा है। समय-समय पर बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मारते-पीटते रहते हैं। इसके अलावा पीओके का बड़ा तबका भारत में घुसने और पनाह के लिए तैयार बैठा है।

इससे पहले कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायसरन हमले के बाद देश की जनता आशा-भरी निगाह से सरकार की ओर देख रही थी। इसलिए जो कुछ हुआ, वह होना ही था। भारत हमेशा से अहिंसा का पुजारी रहा है, आज भी है, लेकिन हम अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। यह नया भारत है जो दुश्मन की आँख में आँख डालकर बात करता है। कोई हमारी तरफ गलत नजर रखेगा तो हम उसको उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवहार कुशलता के कारण अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत दुनिया के अधिकांश देश यह मानते हैं कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा हक है। बायसरन में पिछले माह जो हुआ उसे कत्तई सही नहीं ठहराया जा सकता। बायसरन की घटना मानवीयता को शर्मसार करनेवाली है। इस बीच, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने पाकिस्तान आर्मी चीफ को तानाशाह बताते हुए कहा कि पाकिस्तान भारत के हमले का पलटवार करने की गलती नहीं करे, अन्यथा उसे भारी पड़ेगा।

बहरहाल, दोनों देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। पाकिस्तानी सेना के दबाव में वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आतंकियों की मौत का बदला लेने की बात कर रहे हैं। दुनिया ने देखा कि आतंकियों के अंतिम संस्कार में वहां की सेना के बड़े अधिकारी और राजनेता कैसे मातम मना रहे थे। इधर, भारत के जांबाज सैनिक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की बाट जोह रहे हैं। हालांकि युद्ध किसी समस्या का निदान नहीं है। लेकिन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। तभी तो वह ह्यकुरुक्षेत्रह्ण में लिखते हैं कि -

युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो, मगर,
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वर्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।

जेनेरिक दवाएं लिखने के कानूनी आदेश का उजाला

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने एवं किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत देकर न केवल गरीब मरीजों को राहत पहुंचाई है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त मनमानी, मूल्यहीनता, रिश्वत एवं अनैतिकता पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय एवं प्रासंगिक पहल की है। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक दवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेनेरिक दवाइयों को जनव्यापी बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। पूरी दुनिया में जेनेरिक दवाइयों को ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन दवा माफिया इसमें बाधाएं खड़ी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता से दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है, जो बड़ी आबादी की एक बड़ी समस्या का सटीक समाधान होगा।

निश्चित ही डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी। भारत में किफायती जेनेरिक दवाओं का उत्पादन एवं प्रचलन एक जीवन रेखा है, लेकिन इसके गुणवत्ता के आश्वासन को मजबूत करने के साथ डाक्टरों की मनमानी पर नियंत्रण करना होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पहल एक रोशनी बनेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज एवं महंगी दवाइयां बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये जेनेरिक दवाओं पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। मोदी सरकार ने जेनेरिक दवाओं को ज्यादा स्वीकार्य बनाने एवं सर्वसुलभ कराकर एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात किया है।

जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन डाक्टर अपनी मर्जी से करते हैं। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधान सहायकों की मासिक बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में प्रधान सहायकों की मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें उनके कार्यो की समीक्षा की गई तथा दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में जिला पदाधिकारी महोदय ने सभी प्रधान सहायक को कार्य करने की शैली को बेहद सरलता पूर्वक समझाया तथा अपने कार्यालय के कर्मचारियों के द्वारा किए गए कार्यों को समीक्षा करने का निर्देश दिए। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा सी.डब्ल्यू. जे.सी. / एम.जे.सी., डी.सी. विपत्र उपयोगिता प्रमाण पत्र, लोकायुक्त से संबंधित मामला, जिला आपदा प्रबंधन से संबंधित मामला,लोक शिकायत, लोकसभा एवं विधान सभा से संबंधित प्रश्न, पेंशन एवं सेवांत लाभ, सामाजिक सुरक्षा एवं आर.टी.पी. एस. सहित अन्य मामलों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में जिस कार्यालय में सी.डब्ल्यू. जे.सी. /एम.जे.सी. संबंधित लंबित मामले की संख्या अधिक पाई संबंधित प्रधान सहायक को फटकार लगाते हुए इसका निष्पादन हेतु एस.ओ.एफ तैयार कर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त कार्यालय के सभी पंजी यथा क्रम पुस्तिका, इंडेक्स रजिस्टर, लॉग बुक, प्राप्त पत्र पंजी आदि को संघारीत करने एवं लंबित पत्रों को यथाशीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया।

उक्त बैठक में जिला स्थापना उपसमाहर्ता इफ्तेखार अहमद एवं सभी विभाग के प्रधान सहायक मौजूद रहे।

शहर के पठान टोली मस्जिद में जुमे की नमाज में मांगी गई भारत की जीत और पाकिस्तान की हार की दुआ

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मस्जिद में गूंजीं दुआएं... जुम्मे की नमाज में नमाजियों ने सेना की सलामती की मांगी दुआ।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शुक्रवार को जुम्मे की नमाज में शहर के पठान टोली मस्जिद में भारत की जीत और पाकिस्तान की हार के लिए दुआ किया गया , जिसमें मुस्लिम समुदाय के पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष मो शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ,पठनटोली मस्जिद के इमाम गुलाम रसूल कादरी ,अप इमाम सलीम अख्तर ,मस्जिद के सेक्रेटरी सैयद जुबेर उर्फ सोनू ,वफ्फ कमेटी के अध्यक्ष शरीफ उर्फ गुलफाम खान, रहमत अंसारी, मो अजीम खान, मो शाहनवाज आलम ,चांद खान ,नईम नियाजी ,मोहम्मद मिनहाज खान, मो कमाल ,मोहम्मद जैनुल अंसारी, यासिर खान, अल्तमश खान, अमन खान, शमशाद हुसैन, पप्पू खान ने संयुक्त रूप से कहा की पाक के कायराना हरकत के खिलाफ खड़ा है पूरा हिंदुस्तान। पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष सल्लू खान ने कहा अल्लाह हमारे फौजियों को ताकत दे, उनके हौसले और मजबूत करें। उन्होंने भारत सरकार की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने जो कायराना हरकत की है, उसके जवाब में हिंदुस्तान पूरी मजबूती से खड़ा हैं। मुझे यकीन हैं कि पाकिस्तान इस बार भी नाकाम रहेगा। भारत की जीत के लिए मांगी दुआ भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर शहर की पठान टोली मस्जिद , पठान टोली में जुम्मे की नमाज पड़ी गई. साथ ही भारत की सफलता पर हजारों मुस्लिम लोगों ने दुआ मांगी है। दुआ के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भारत का तिरंगा लेकर पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए पाकिस्तान की हार की दुआ, हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में पहुंचे लोग ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मस्जिद में गूंजीं दुआएं... जुम्मे की नमाज में नमाजियों ने सेना की सलामती की मांगी दुआ।

छपरा में बड़ा हादसा, सरयू नदी में नहाने गई किशोरी की डूबकर मौत...परिजनों में मची चीख-पुकार

Chhapra: बिहार में सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र में सरयू नदी में स्नान के दौरान एक किशोरी की डूबने से मौत हो गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि गैरतपुर गांव की छह किशोरी सरयू नदी में स्नान करने गयी थी। जहां गहरे पानी में जाकर सभी किशोरी डूबने लगी। जिसके बाद वहां मौजूद ग्रामीणों ने पांच किशोरी को नदी के पानी से बाहर निकाल लिया। हादसे में गैरतपुर गांव निवासी लालबाबू महतो की पुत्री रिशु कुमारी (15) की मौत नदी में डूबकर हो गई है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय तैराकों की मदद से शव को नदी से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

औरंगाबाद जिला विधिज्ञ संघ के कार्यसमिति की एक बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के कार्यसमिति की एक अहम बैठक जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के पुस्तकालय में आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय और संचालन संयुक्त सचिव प्रमोद कुमार सिंह ने किया, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सर्वप्रथम भारतीय सेना द्वारा आंतकीयो के खात्मे के लिए शुरू किया गया आपरेशन सिन्दूर की प्रशंसा करते हुए उसपर गर्व महसूस करते हुए बड़ाई किया गया है , अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय ने आगे बताया कि कल 10 बजे से व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिवक्ता समाज भरपूर सहयोग करेंगे, उन्होंने यह भी बताया कि पन्द्रह दिन के अंदर जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में एक बार मैनेजर पद पर कम्प्यूटर जानकर कि नियुक्ति किया जाएगा, उन्होंने ने आगे कहा कि जो अधिवक्ता सर्टिफिकेट ऑफ प्रेक्टिस जामा नहीं किये है वे एक सप्ताह में जामा करें, निर्माण कार्य का जायजा लिया गया, अंत में यह सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि जो पदाधिकारी अधिवक्ता समाज के सम्मान करेंगे अधिवक्ता समाज भी उनका सम्मान करेगा,इस अवसर पर उपस्थित थे कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, उदय कुमार सिन्हा, सुदर्शन यादव, दिलीप कुमार सिंह, सियाराम पांडे, अनील आशुतोष, विनय मिश्रा, सतीश कुमार स्नेही,पवन कुमार सिंह, विनय द्विवेदी, चन्द्रकान्ता कुमारी, योगेश कुमार मिश्रा, अनील कुमार सिन्हा, इम्तियाज अंसारी, संजय कुमार, धनश्याम ठाकुर सहित अन्य उपस्थित थे।

गया से नागपुर एवं रक्सौल से उधना के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर: ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में और 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 01203/01204 नागपुर-गया-नागपुर स्पेशल (सासाराम-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-इटारसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 01203 नागपुर-गया स्पेशल 10 मई, 2025 को नागपुर से 15.40 बजे खुलकर अगले दिन 15.15 बजे डीडीयू, 16.02 बजे भभुआ रोड, 16.40 बजे सासाराम, 18.10 बजे डेहरी ऑन सोन रूकते हए 20.30 गया पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 01204 गया-नागपुर स्पेशल 13 मई, 2025 मंगलवार को गया से 23.45 बजे खुलकर बुधवार को 01.15 बजे डेहरी ऑन सोन, 01.33 बजे सासाराम, 02.10 बजे भभुआ रोड एवं 03.30 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए गुरूवार को 00.45 बजे नागपुर पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 05559/05560 रक्सौल-उधना-रक्सौल स्पेशल (नरकटियागंज-गोरखपुर-लखनऊ के रास्ते): गाड़ी संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल 17 मई से 26 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को रक्सौल से 05.30 बजे खुलकर 05.53 बजे सिकटा, 06.20 बजे नरकटियागंज, 07.00 बजे बगहा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन रविवार को 12.35 बजे उधना पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 05560 उधना-रक्सौल स्पेशल 18 मई, से 27 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक रविवार को उधना से 15.35 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए सोमवार को 22.20 बजे बगहा, 22.55 बजे नरकटियागंज एवं 23.20 बजे सिकटा तथा मंगलवार को 00.15 बजे रक्सौल पहुंचेगी ।

आनंद मार्ग के संस्थापक आनंदमूर्ति जी के जन्मोत्सव पर 72 घंटे का अखंड कीर्तन आरंभ

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत बच्चों के बीच ज्ञान, विज्ञान, योग तथा आध्यात्म पर की गई चर्चा

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

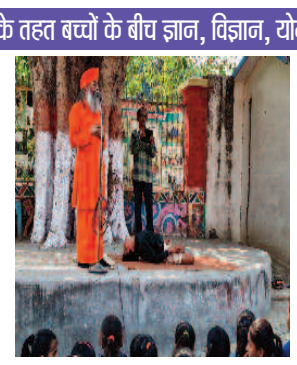

जमालपुर। अध्यात्म का केंद्र जमालपुर शहर के वलीपुर स्थित जागृति मधु मंजुल में शुक्रवार को श्री श्री आनंदमूर्ति जी के जन्मोत्सव (आनंद पूर्णिमा) के अवसर पर 72 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया। 72 घंटे तक चलने वाले इस अखंड कीर्तन का समापन सोमवार 12 मई को सुबह 5:45 बजे तक संपन्न होगा। बिहार के कोने-कोने से आए श्रद्धालु भक्तों ने आनंदमार्ग के अखंड कीर्तन में हिस्सा लिया। आनंद मार्ग प्रचारक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को पूर्व रेलवे इंटर महाविद्यालय में योग प्रशिक्षक आचार्य कल्याणमित्रानंद अवधूत दादाजी के नेतृत्व में व्यक्तित्व के विकास पर आधारित पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम चलाया गया। जिसके तहत विद्यालय में अध्यनरत करीब 500 बच्चों के बीच ज्ञान, विज्ञान, योग तथा आध्यात्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बच्चों के व्यक्तित्व का सही तरीके से कैसे चरित्र निर्माण हो उनका प्रैक्टिकल पक्ष भी रखा गया। कई आसनों को सिखाया गया और बच्चों को बहुत ही वैज्ञानिक ढंग से बायोलॉजिकल ढंग से बच्चों को बताया गया कि कैसे उनके मस्तिष्क का अधिकतम उपयोग किया जा सके, कैसे ग्लैड्यूलर एक्सरसाइज कौन सा आसन करने से मस्तिष्क का अधिकतम उपयोग हो। श्री श्री आनंदमूर्ति जी के द्वारा दिया गया कौशिकी नृत्य से 22 रोगों का निदान हो सकता है, जो पुरुष और महिला दोनों कर सकते हैं और भगवान शिव के द्वारा दिया गया तांडव नृत्य का भी प्रदर्शन बच्चों को दिया गया। तांडव नृत्य से 42 रोगों का निदान हो सकता है। यह एकमात्र फिजिको साइको स्पिरिचुअल व्यायाम है, जिससे मस्तिष्क के सारे कोशिकाएं क्रियाशील हो जाती है तथा जिससे मनुष्य का याद आ सकती बढ़ जाता है और इच्छा शक्ति मजबूत हो जाता है। तांडव महिलाओं को करना वर्जित है। इस अवसर पर आचार्य जी के अलावा राजेश कुमार गौरव कुमार और पीयूष आनंद ने आसान का व्यवहारिक प्रदर्शन किया जो सभी बच्चों को बहुत प्रभावित किया। इस दौरान भूक्ति प्रधान रंजीत कुमार, विद्यालय के सभी शिक्षकगण मौजूद थे।

यूडब्लूआईएन पोर्टल पर लापरवाही के आरोप मे सात स्वास्थ्यकर्मियों पर गिरी कार्रवाई की गाज

मामला धरहरा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का

आशीष कश्यप

धरहरा (मुंगेर): मुंगेर जिला अंतर्गत धरहरा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत सात एएनएम और जीएनएम का यूडब्लूआईएन पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण नहीं करने के कारण मई महीने के 5 दिन का वेतन रोक दिया गया है। जिन कर्मियों पर कार्रवाई हुई है, उनमें फूलन कुमारी, पूजा कुमारी, सबिता कुमारी, नूतन कुमारी, प्रेमलता कुमारी, नीलम कुमारी और निक्की कुमारी शामिल हैं। इन सभी पर अप्रैल 2025 में संस्थागत प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के *बर्थ डोज मॉनिटरिंग* के लिए यूडब्लूआईएन पोर्टल पर पंजीकरण समय पर न करने का आरोप है।

क्या है मामला

जिला स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल माह में धरहरा प्रखंड के विभिन्न केंद्रों पर कम-से-कम 10 नवजात शिशुओं का प्रसव हुआ, लेकिन उनका पंजीकरण पोर्टल पर तय समयसीमा के भीतर नहीं किया गया। यह लापरवाही न सिर्फ सरकारी निदेशों की अनदेखी है, बल्कि नवजातों के टीकाकरण कार्यक्रम की निगरानी में भी बाधा उत्पन्न करती है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डां अविनाश कुमार ने कहा कि संबंधित एएनएम जीएनएम ने यूडब्लूआईएन पोर्टल पर पंजीकरण में लापरवाही बरती है जिससे कार्य के प्रति स्वेच्छाचारिता को दशार्ती है। यह उच्चाधिकारियों के कोप का कारण बन सकता है। जिसके कारण संबंधित स्वास्थ्य कमीयों का वेतन रोकते हुए गया, स्पष्टीकरण मांगा गया है । स्वास्थ्य समिति ने सभी संबंधित कर्मियों को आदेश दिया है कि वे दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें कि आखिर अप्रैल 2025 के अंत तक बर्थ डोज का पंजीकरण क्यों नहीं हुआ। यदि स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो अग्रिम अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की जाने की बात कही है.

स्वास्थ्य प्रणाली में दोहरा मापदंड

इस कार्रवाई ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब *ई-संजीवनी* जैसी डिजिटल योजना पूरी तरह सीएचओ के कंधों पर डाली जाती है, तब बाकी स्टाफ मुक्त रहता है, लेकिन यूडब्लूआ-ईएन जैसे मामलों में सामूहिक जिम्मेदारी के नाम पर सीधी वेतन कटौती कर दी जाती है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण का उद्देश्य पारदर्शिता और सशक्तिकरण था, लेकिन धरहरा में यह तकनीकी अनुपलब्धता, प्रशिक्षण की कमी और प्रशासनिक सख्ती के बीच पिसते हुए कर्मियों की हकीकत सामने आ रही है। जरूरत है स्पष्ट जिम्मेदारी, उचित ट्रेनिंग और इंस-ाफपूर्ण प्रक्रिया की ताकि तकनीक एक औजार बने, सजा नहीं।

गोह में 8 जून को होगा पुस्तक विमोचन सह सम्मान समारोह, आयोजन समिति का गठन

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। गोह प्रखंड मुख्यालय स्थित बिहार राज्य पेंशनर भवन में समाजसेवी, शिक्षाविद एवं बुद्धिजीवी मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक कपिलदेव सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 8 जून को गोह गौतम बुद्ध नगर भवन में एक भव्य पुस्तक विमोचन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में साहित्यकार रविनंदन की चर्चित पुस्तक ह्यभ्रमजालह्न का विमोचन किया जाएगा। साथ ही समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु 17 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया, जिसमें दिलीप कुमार को (अध्यक्ष), प्रो. शक्ति पासवान (उपाध्यक्ष), लखन पासवान (सचिव), कामदेव चंद्रवंशी (उपसचिव), सुरेन्द्र चंद्रवंशी (कोषाध्यक्ष), अमरेंद्र कुमार (व्यवस्थापक), नागेश्वर प्रसाद सिंह (संयोजक), विन्देश्वरी शर्मा (सह-संयोजक), कपिलदेव सिंह (संरक्षक)। इसके अतिरिक्त अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया, जिनकी जिम्मेदारियाँ शीघ्र तय की जाएंगी। बैठक में रविनंदन, संजय कुमार, बृजमोहन राम, नागेंद्र प्रसाद, गिरवर भारती, पूर्व मुखिया रामचंद्र साव, रणधीर पासवान, रामजी पासवान, उमा पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में साहित्यिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक चेतना का विकास होता है। आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की है।

बिहार में 13 साल की किशोरी से हैवानियत, शादी का झांसा देकर 6 महीने तक किया दुष्कर्म, तंग आ कर

पूर्णिया I: बिहार के पूर्णिया जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक युवक ने शादी का झांसा देकर 13 साल की किशोरी के साथ लगातार छह महीने तक दुष्कर्म किया है। वहीं, पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के अमौर थाना क्षेत्र का है। इस मामले में पीड़िता के परिजनों ने थाना में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया है कि मोहम्मद गुफरान नामक युवक ने शादी का झांसा देकर छह महीने तक उससे दुष्कर्म किया। जब शादी का दबाव बनाया तो उसने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने परिजनों को जानकारी दी। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं, पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

वित्त रहित शिक्षकों के अधिकार की लड़ाई लड़ेगी आसा पार्टी : प्रीतम सिंह

2008 में आरसीपी सिंह ने बिहार के प्रधान सचिव के रूप में वित्तरहित शिक्षकों को अनुदान की प्रक्रिया को बढ़ाया था आगे

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। बिहार के वित्तरहित अनुदानित डिग्री महाविद्यालय के समर्थन में विगत सप्ताह माननीय पटना उच्च न्यायालय के आदेश को अक्षरशः पालन करने के साथ-साथ सभी वित्तरहित इंटर महाविद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालयों के सेवा को भी नियमितीकरण कर वित्तरहित विद्यालय तथा महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को वेतनमान पेंशन और अन्य सभी सरकारी सुविधाएं यथाशीघ्र लागू किया जाना चाहिए। उक्त बातें शुक्रवार को डॉ यूपी वर्मा अच्छूराम हरिलाल बालिका उच्च विद्यालय में बिहार प्रदेश माध्यमिक शिक्षक शिक्षक कर्मचारी महासंघ मुंगेर जिला इकाई के तत्वावधान में आयोजित बैठक में अपना समर्थन देने पहुंचे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल ने कहीं। मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को संबोधित करते हुए आसा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह पटेल ने कहा कि बिहार के सभी वित्त रहित डिग्री महाविद्यालय, इंटरमीडिएट महाविद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के समर्थन में आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में सरकार के समक्ष वित्त-रहित शिक्षकों की मांगों को रखेगी। आसा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय केसरी ने कहा कि 2005 से लेकर 2010 तक बिहार के तत्कालीन प्रधान सचिव रहे रामचंद्र प्रसाद सिंह ने वित्तरहित शिक्षकों को अनुदान दिलाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजी किया था। उनके प्रयास से ही वर्ष 2008 से बिहार के वित्तरहित शिक्ष-ाकों के लिए अनुदान की प्रक्रिया आरंभ की गई। आसा पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार राय तथा मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि आरसीपी सिंह आपकी विधानसभा चुनाव में सशक्त रूप से वितरित शिक्षकों के मुद्दे को उठाएगी। सरकार पर दबाव बनाकर वित्त रहित डिग्री कॉलेज की तर्ज पर इंटरमीडिएट कॉलेज और माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन दिलाने का पुरजोर प्रयास करेगी।

वित्त रहित डिग्री कॉलेज के बाद इंटर कॉलेज तथा माध्यमिक विद्यालयों में जागी आशा की किरण

बिहार के वित्तरहित डिग्री कॉलेज को नियमितीकरण करने की दिशा में पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद वित्तरहित शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। बिहार प्रदेश माध्यमिक शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ के मुंगेर जिला सचिव उदय चंद्र, अनिरुद्ध प्रसाद अंबेडकर, दीपक सिंह ने कहा कि वित्तरहित शिक्षक है विगत करें 40 वर्षों से अपनी मांगों को लेकर स-रकार के समक्ष गुहार लगा रही थी। मगर, राज्य सरकार की ओर से वित्त रहित शिक्षकों की मांग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था। इसके बाद परेशान और हताश होकर वित्त रहित डिग्री कॉलेज के शिक्षक माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष न्याय के लिए गुहार लगाया। जिस-के आधार पर माननीय उच्च न्यायालय ने वित्त रहित शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए निजी डिग्री कॉलेज अर्थात वित्त रहित डिग्री कॉलेज को नियमितीकरण किए जाने को लेकर आदेश जारी किया है।

वित्त रहित शिक्षकों ने स-रकार से माध्यमिक विद्यालयों के नियमितीकरण को लेकर उठाई मांग

रविंद कुमार पंकज कुमार पिंकी कुमारी, विशाखा कुमारी एवं शंकर यादव ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय ने बिहार सरकार को आदेश दिया है कि 3 महीने के भीतर वित्त रहित डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को नियमित वेतन तथा पेंशन आदि की सुविधा उपलब्ध कराएं। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा डिग्री कॉलेज के तर्ज पर सभी वित्त रहित इंटरमीडिएट कालेज तथा वित्त रहित माध्यमिक विद्यालयों के नियमितीकरण को लेकर भी आदेश जल्द जारी करें। संजय कुमार, श्याम साव, गोपाल यादव ने कहा कि डिग्री कॉलेज के नियमितीकरण के बाद अब इंटरमी-डिएट कॉलेज और माध्यमिक विद्यालयों के लिए भी आने वाले दिनों में सकारात्मक आदेश माननीय पटना उच्च न्यायालय तथा राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाएगा। मौके पर पंकज राय, कैलाश यादव, बबीता कुमारी, मुकेश, देवानंद, मनीषा, शिवनारायण यादव मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बधार से अधेड़ का शव बरामद, गला दबाकर हत्या की आशंका, परिजनों में मचा कोहराम

रिपोर्ट- अमरेंद्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। उपहारा थाना क्षेत्र के गोरकट्टी व महेश परासी गांव के सीमावर्ती बधार (ढोढर) से गुरुवार को एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान महेश परासी गांव निवासी 55 वर्षीय सूर्य दयाल राम के रूप में हुई है। उनकी मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया और परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। मृतक की पत्नी गीता देवी ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 7 बजे सूर्य दयाल राम एक बोतल में पानी लेकर शौच के लिए बधार की ओर गए थे, लेकिन देर रात तक वे घर वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उन्हें गांव के हर कोने में खोजा, यहां तक कि गांव में चल रहे अखंड संकीर्तन स्थल तक गए, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। गुरुवार को दोपहर लगभग 12 बजे, किसी ग्रामीण ने बधार में शव देखे जाने की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। उपहारा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। इधर परिजनों ने गले पर निशान के आधार पर आशंका जताई है कि उनकी हत्या कर शव को बधार में फेंका गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और हर पहलू पर बारीकी से छानबीन कर रही है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, बेटियों के भविष्य को लेकर चिंता मृतक की पत्नी गीता देवी, पुत्र जन्मजय दास (पत्नी सरिता देवी), मंजीत कुमार (पत्नी रिंकी देवी), नाती-नातिन पल्लवी कुमारी, साक्षी कुमारी, पैयूस कुमारी और पुत्री सलोनी कुमारी का रो-रोकर हाल बेहाल है। घर में मातम का माहौल है और हर आंख नम है। पुत्री सलोनी कुमारी की शादी की चिंता अब मां गीता देवी को खाए जा रही है। वह बेसुध होकर बार-बार यही कहती दिखीं, ह्हमर बेटियां के सादिया के करतव ये रजवा...। उनकी यह पुकार पूरे गांव को भावुक कर रही है। जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर दी सांत्वना घटना की सूचना मिलते ही गांव के सरपंच प्रतिनिधि राम केवल राम तथा उपसरपंच निरंजन चंद्रवंशी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन से भी मांग की कि जल्द से जल्द मामले की निष्पक्षकर दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाए।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के पूर्ववती छात्र जय ने भेंट किया मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र जयकुमार गुप्ता जो देश के एक बड़े निजी प्रतिष्ठान में उप महाप्रबंधक हैं ने मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर एमेजॉन के माध्यम से विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह को भेजा।विद्यालय के बच्चों में काफी हर्ष का माहौल है एवं अब वो प्रोजेक्टर के माध्यम से यूट्यूब, पेनड्राइव एवं अन्य पोर्टल के पाठ्यक्रमों को बड़े स्क्रीन पर देख कर लर्न कर सकेगें।प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने प्रोजेक्टर प्राप्त होने के उपरांत विद्यालय के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह पार्षद को आमंत्रित कर उन्हें पूर्ववर्ती छात्र के द्वारा प्राप्त उपहार की जानकारी दी। अध्यक्ष एवं प्राचार्य ने इसे बच्चों को भेंट कर दिए।अध्यक्ष ने स्कूल के अस्सी के दशक के छात्र रहे जय कुमार गुप्ता की काफी सराहना की एवं कहा कि हर व्यक्ति को अपने बचपन के विद्यालय से जरूर कनेक्ट रहना चाहिए एवं अपने आय का छोटा हिस्सा भी विद्यालय की बेहतरी के लिए निवेश करना चाहिए ताकि अपने परिवेश की शैक्षणिक व्यवस्थाएं समृद्ध हो सके और बेहतर समाज बन सके। हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने बताया कि प्रोजेक्टर काफी हाइ एंड कॉनफि गरेशन का है और इसका ऑपरेशन काफी सरल है। वाईफाई से सीधे कनेक्ट कर मल्टीमीडिया के सारे एप्लीकेशंस चलाए जा सकते हैं। विद्यालय के सभा कक्ष में मॉरल स्टोरीज या ज्ञानवर्धक डॉक्यूमेंट्री बच्चों को दिखाना अब रूटीन का हिस्सा होगा। विद्यालय क्रमशः आधुनिक सुविधाओं से मजबूत हो रहा है जिसका सीधा लाभ एवं प्रभाव बच्चों में अब प्रतिबिंबित हो रहा है।

बिहार: राजस्व कर्मियों की हड़ताल पर सख्त हुई सरकार, अपर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

पटना:राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलों के डीएम के लिये पत्र जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कई जिलों के राजस्व कर्मचारियों द्वारा हड़ताल किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है। अपर मुख्य सचिव द्वारा सभी समाहत्ताओं को संबोधित करते हुये कहा गया है कि जिन जिलों में राजस्व कर्मचारी हड़ताल पर हैं, वहां संबंधित डीएम कर्मियों को बुलाकर उनसे वार्ता करें और हड़ताल तोड़ने के लिए कहें। अगर इसके बाद भी कर्मी नहीं मानते हैं, तो इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाए। इन कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन विभागीय मुख्यालय को भी जल्द भेजा जाए। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह के स्तर से जारी इस पत्र में स्पष्ट रूप से यह निर्देश दिया गया है कि किसी जिले में राजस्व कर्मी अकस्मात हड़ताल पर नहीं जायें, इससे सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम बाधित हो रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि राजस्व कर्मियों के एक गुट ने राज्य मुख्यालय में अपनी सेवा संबंधित समस्याओं एवं मांगों के संबंध में ज्ञापन दिया था। इस पर विभाग के स्तर से गंभीरता से कार्रवाई की जा रही है। उनकी प्रमुख मांगे ऐसी हैं, जिनका निर्णय वित्त विभाग की सहमति एवं राज्य सरकार का अनुमोदन के पश्चात ही लिया जा सकता है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति औरंगाबाद के अध्यक्ष श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति औरंगाबाद, श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक में जिला पदाधिकारी औरंगाबाद द्वारा सडक दुर्घटनाओं के आँकड़े का विश्लेषण के क्रम में पाया गया कि औरंगाबाद जिला अन्तर्गत माह अप्रैल -2025 तक कुल मृतक की संख्या-129 तथा घायल की संख्या-70 है, जो अत्यंत ही चिंता का विषय है। इस संबंध में सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों के पास साईनेज/बोर्ड एवं रम्बल स्ट्रीप आदि लगाना सुनिश्चित करेंगे तथा जिला परिवहन कार्यालय, औरंगाबाद के सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि लगातार दोपहिया वाहन का सघन रूप से हेलमेट का जाँच करना सुनिश्चित करेंगे। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग, बिहार पटना से प्राप्त निदेश के आलोक में हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष अभियान चलाकर जाँच किया जाता है। वर्तमान में भी हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष जाँच अभियान इस जिला में जारी

है। इसके लिए हमारे मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक एवं सभी थाना औरंगाबाद जिला द्वारा नियमित रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का विशेष अभियान चलाकर जाँच किया जाता है तथा जाँच में जप्त वाहनों से जुमार्ने की राशि वसूली जाती है। यातायात नियमों के उल्लंघन के दौरान अप्रैल 2025 से अब तक जिला परिवहन पदाधिकारी,मोटरयान निरीक्षक, प्रर्वतन अवर निरीक्षक एवं सभी थाना द्वारा कुल 01 करोड़ 93 लाख रुपए की शमन की राशि वसूल की गई है। हिट एंड रन से संबंधित मामले में औरंगाबाद जिला अन्तर्गत दिनांक- 01.04.2022 से प्राप्त कुल आवेदन-340 में से जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा 326 मामले को स्वीकृत कराकर ऋक्ल्, ट४ें को भेजा गया है, जिसमें से 249 लाभुकों को उनके खाते में भुगतान कर दिया गया है। नन हिट एंड रन से संबंधित मामले में औरंगाबाद जिला से मामले का निष्पादन हेतु कुल-119 मूल संचिका को ट्रिब्यूनल कोर्ट, गया में भेजा गया है। पुलिस उपाधीक्षक द्वारा सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक महीने सड़क दुर्घटनाओं से सबंधित डाटा (पोस्टमार्टम रिपोर्ट ऋक्कएवं अन्य दस्तावेज) की एक प्रति जिला परिवहन कार्यालय, औरंगाबाद को जमा करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक यातायात, सिविल सर्जन, परियोजना निदेशक ठल्अकसासाराम के सदस्य, ठल्-139 के सदस्य, ठल्-120 के सदस्य, एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

खगड़िया : मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन, चार मौत के सौदागर गिरफ्तार

खगड़िया से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है.

रंजीत विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर): मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिला से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां स्टेशन से करीब दो सौ गज उत्तर मोइन धार मोहल्ले में स्थित एक घर में चल रही अवैध हथियार फैक्ट्री का पदार्फाश एसटीएफ और पुलिस ने मिलकर किया। पुलिस ने इस दौरान भारी संख्या में अर्ध निर्मित हथियार, हथियारों के पार्ट्स और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। यह सफलता एसपी के नेतृत्व में एसटीएफ, चित्रगुप्तनगर के थानाध्यक्षों समेत प्रशिक्षित जवानों द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के दौरान हासिल हुई है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बेगूसराय जिले के रघुनाथपुर के विद्दू यादव, मुंगेर जिले के कासिम बाजार-मकससपुर के मु. शाहिद, तोफिर दियारा मुंगेर के सियाराम चौधरी और कासिम बाजार-मकससपुर के सोनू उर्फ सरफराज शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन तस्करों का हथियारों के अवैध कारोबार से गहरा संबंध था, और इनकी गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण

जानकारियां सामने आई हैं। एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के एक मोहल्ले में अवैध हथियार निर्माण का कार्य चल रहा है। इस सूचना के आधार पर, उन्होंने बिना समय गंवाए एसटीएफ और पुलिस बल के साथ उस स्थान पर दबिश दी। जैसे ही पुलिस ने घर की घेराबंदी की, तस्कर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण चारों तस्कर गिरफ्तार कर लिए गए। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जो सामग्री बरामद की, उसमें एक दर्जन से अधिक अर्ध निर्मित हथियार, हथियारों के विभिन्न पाट्र्स और हथियार बनाने के उपकरण शामिल थे। इन सभी सामग्रियों का इस्तेमाल करके हथियारों का अवैध निर्माण किया जा रहा था। इसके साथ ही छापेमारी के बाद यह भी पता चला कि इस फैक्ट्री से जुड़े तस्करों का नेटवर्क बेगूसराय और मुंगेर जिलों में फैला हुआ है।

एसपी ने इस सफल छापेमारी को एक बड़ी सफलता बताया

फिलहाल, गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने यह भी कहा है कि इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि यह कारोबार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा प्रतीत होता है। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई से पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं, जो अन्य अवैध हथियार फैक्ट्रियों और तस्करों को पकड़ने में मदद कर सकते हैं। पुलिस और एसटीएफ की यह कार्रवाई इलाके में अपराध की रोकथाम और सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सूर्यनगरी देव में महाराणा प्रताप जयंती समारोह को हुआ आयोजन

वक्ताओं नें कहा जिस तरह महाराणा प्रताप नें घास की रोटी खाकर मुगलों से लढ़ें उसीतरह पाकिस्तान के विरुद्ध सिंदूर ऑपरेशन में भी हम भारतीय को एक होकर रहना होगा।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सूर्य नगरी देव के बगीचा रिसोर्ट में महाराणा प्रताप सिंह की जयंती समारोह का आयोजन किया गया ' सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों द्वारा महाराणा प्रताप जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दियें। समाजसेवीयों नें उनके वीरता को याद करते हुए कहा की महाराणा प्रताप मेवाड़ के राजा थे और वे 16वीं शताब्दी के एक महान योद्धा थे। उनका जन्म 9 मई 1540 को कुंभलगढ़ किले में हुआ था. उन्होंने मुगल बादशाह अकबर के खिलाफ मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए युद्ध लड़ा, और *हल्दीघाटी का युद्ध उनकी वीरता का प्रतीक माना जाता है.* महाराणा प्रताप के परम सहयोगी भामाशाह के योगदान को भी याद किया गया ' महाराणा प्रताप जी घास की रोटी खाकर जिस तरह मुगलों से लढ़े उसीतरह वर्तमान में चल रहे पाकिस्तान के प्रति सिंदूर ऑपरेशन में हर भारतीय को एकत्रित होकर रहने का देशभक्ति दिखाने का सन्देश दिया गया ' नेहरू युवा केंद्र के मनोज परमार, नगर अध्यक्ष पिंटू साहिल, बेढ़नी मुखिया मनोज सिंह, सरगाँवा मुखिया बिनोद सिंह, समाजसेवी उपेंद्र यादव,वीर कुंवर सिंह ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह, निखिल सिंह, राकेश कुमार, दीपक गुप्ता, आचार्य बिनोद सिंह,पवन पांडेय, संदीप दुबे, शिवम् गुप्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे ' उपस्थित सदस्यों नें संकल्प लिया की भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणो की आहुति देना पड़ेगा तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे और घास की रोटी खाएंगे पराधीनता स्वीकार नहीं करेंगे का नारा लगाएं '

बिहार में फैंसी नंबर की ऑनलाइन मांग में जबरदस्त उछाल, पटना और मुजफ्फरपुर में छाई लकी नंबर की होड़

पटना:राज्य में बड़ी संख्या में लोग ऐसे हैं, जो अपनी गाड़ियों में मनपसंद (फैंसी) नंबर लगवाने का शौक रखते हैं। इसके लिए वे अतिरिक्त पैसे भी खर्च करते हैं। कुछ लोग तो इन नंबरों को लेने के लिए बोली लगाकर मुंह मांगी कीमत चुकाने को भी अमादा रहते हैं। फैंसी नंबर लेने में राजधानी पटना के लोग सबसे आगे हैं। जबकि, शिवहर एवं अरवल में ऐसे लोगों की संख्या काफी कम है। परिवहन विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच पटना जिले में 5 हजार 709 लोगों ने अपने वाहनों के लिए फैंसी नंबर प्लेट लिया है। इसके लिए इन्होंने सरकार को 9 करोड़ 47 लाख 97 हजार रुपये शुल्क के तौर पर दिया है। प्रदेश भर में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 यानी बीते वित्तीय वर्ष में 14 हजार 721 वाहन मालिकों ने फैंसी नंबर प्लेट लिए, जिससे 23 करोड़ 91 लाख रुपये की आय विभाग को हुई। विभाग की ओर से शुरू की गई ऑनलाइन फैंसी नंबर प्लेट लेने की व्यवस्था को आमजन की तरफ से काफी सराहा जा रहा है। लोग ऑनलाइन फैंसी नंबर ले सकते हैः मंत्री परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने फैंसी नंबर प्लेट सुविधा पर कहा कि मौजूदा समय में आमजनों की आरामदायक परिवहन सुविधा से लेकर उनकी सुरक्षा और पसंद-नापसंद का भी ख्याल रखा जा रहा है। लोगों को अब सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पोर्टल पर फैंसी नंबर प्लेट लेने की सुविधा दी जा रही है। पहले यह सुविधा नहीं थी, लेकिन अब लोग विभाग की तरफ से निर्धारित राशि का भुगतान कर अपनी गाड़ियों के लिए मनपसंद नंबर ले सकते हैं। कुछ लोग अपना लकी नंबर के आधार पर भी फैंसी नंबर लेते हैं। मंत्री का कहना है कि इससे वाहन मालिकों को भी खुशी मिलती है और इससे सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी हो रही है। फैंसी नंबर लेने में मुजफ्फरपुर के लोग दूसरे स्थान पर पटना के बाद सबसे ज्यादा मुजफ्फरपुर जिले से एक हजार 230 वाहन मालिकों ने फैंसी नंबर के लिए करीब एक करोड़ 88 लाख रुपये खर्च किए। इसके बाद तीसरे स्थान पर गया के 921 वाहन मालिकों ने एक करोड़ 35 लाख रुपये, पूर्णिया के 627 वाहन मालिकों ने करीब एक करोड़ 15 लाख रुपये अदा कर फैंसी नंबर प्लेट लिया है। वहीं, सबसे कम शिवहर जिले से सिर्फ 10 वाहन मालिकों ने ढाई लाख रुपये और अरवल जिले से 12 वाहनों के मालिक ने करीब 2 लाख रुपये फैंसी नंबर प्लेट पर खर्च किए है। समूह ए के नंबरों की कीमत एक लाख रुपये तक पसंदीदा नंबर प्लेट चुनने के लिए वाहन मालिकों को चुनिन्दा नम्बरों के लिए विशेष शुल्क देना पड़ता है।

सुदूरवर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निस्तारण हेतु जागरुकता रथ को किया गया रवाना

यह रथ हर कसबे तक करेगा प्रचार-प्रसार और शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को मिलेगा इसका लाभ- जिला जज

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राज कुमार द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रांगन से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु जिले के सुदरवर्ती क्षेत्रों के लोगो को जागरूक करने के लिए दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक से सम्बन्धित वैन को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, श्रीमति तान्या पटेल सहित कई न्यायिक पदाधिकारीगण उपस्थित थे। जिला जज ने इस अवसर पर बताया कि दिनांक 10.05.2025 को आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा न सिर्फ शहर एवं कस्बो के लोगो मिले बल्कि जिले के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के लोगो तक पहुँचे इस उद्देष्य के लिए यह जागरूकता रथ कारगार साबित होगा। जिला जज ने इस अवसर पर यह बताते हुए कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सभी शमनीय वादों का निस्तारण एवं बैंक से सम्बन्धित वादों का निस्तारण निष्चित किया गया है। इस पर जिला जज ने औरंगाबाद जिला के वासियों से अपील किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने से सम्बन्धित सुलहनीय वादों का निस्तारण करायें और बैंक से सम्बन्धित जो भी बकाया राशियॉं है जो भी संभव हो उनका निदान किया जायेगा और बैंक के पदाधिकारियों द्वारा पूरा सहयोग किया जायेगा। यह रथ जिले के सभी प्रखण्डों के साथ-साथ समस्त ग्रामीण क्षेत्रों तक जायेगा एवं लोगो को हर तरह के सुलहनीय

वादों के साथ-साथ बैंक ऋण से सम्बन्धित का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से करने के लिए प्रेरित करेगा। जागरूकता रथ रवाना के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्रीमति तान्या पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियॉं लगभग पूरी हो चुकी है और अधिक से अधिक लोगो को इसकी जानकारी उपलब्ध हो इसके लिए जागरूकता रथ के साथ-साथ सोसल मीडिया, समाचार-पत्र, तथा अन्य कई माध्यमों से लोगो से यह अपील किया जा रहा है कि वे अपने सुलहनीय वादों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में करायें राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर औरंगाबाद के समस्त थानाध्यक्षो के साथ बैठक का आयोजन किया गया।* जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, श्रीमति तान्या पटेल के द्वारा आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कॉन्फ्रेंस हॉल में औरंगाबाद जिले में पदस्थापित सभी थानाध्यक्षो की एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कल अयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलता हेतु थानाध्यक्षो के द्वारा उनके स्तर से मामलों के चिंहित कर अपने अपने थाना क्षेत्र में लोक अदालत के सम्बंध में जागरूक कर अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन करवाने हेतु प्रेरित किया गया। बैठक में सचिव ने थानाध्यक्षो को कहा कि प्राधिकार ने विभिन्न न्यायालयों में लंबित सुलहनीय वादों की सूची थानावार तैयार कर भेजी गयी है जिसमे आपकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उक्त मामलो में पक्षकारों से सम्पर्क स्थापित कर उन्हें प्रोत्साहित करें कि उक्त मामलों को खत्म कर भाई चारे प्रेम के वातावरण और विवाद मुक्त समाज बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। अगर उन्हें पक्षकारों के काउंसलिंग में आवश्यकता पड़े तो वे पक्षकारों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार अथवा संबंधित न्यायालय में भेजें, बैठक में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री लाल बिहारी पास्वान ने कहा कि थाना अध्यक्ष अपने अपने थाना क्षेत्र में वैसे वाद जिसमें प्रथम अपराध से जुड़े मामले जिसमें गंभीर अपराधों कारित नहीं हो उसको चिन्हित कर जल्द से जल्द उसमें आरोप पत्र समर्पित करें ताकि समय रहते उसमें करवाई किया जा सके।

भूटान और अडानी समूह के बीच 5000 मेगावाट जलविद्युत विकास के लिए समझौता

थिम्पू/नई दिल्ली। भूटान सरकार और अडानी समूह ने देश की जलविद्युत क्षमता को प्रोत्साहन देने और क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से 5000 मेगावाट की जलविद्युत और पंप स्टोरेज परियोजनाओं के संयुक्त विकास के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी भूटान के वर्ष 2040 नवीकरणीय ऊर्जा रोडमैप के अनुरूप है और भारत-भूटान ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ करती है। इस समझौते पर ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन और अडानी ग्रीन हाइड्रो लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (पीएसपी और हाइड्रो) नरेश तेलगु ने थिम्पू में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे, ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री ल्योनपो जेम शेरिंग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह साझेदारी पहले से प्रगति पर चल रही 570/900 मेगावाट वांगचू जलविद्युत परियोजना पर आधारित है, जिसमें डीजीपीसी की 51 प्रतिशत और अडानी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा अब 5000 मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई साइटों की पहचान, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी और चरणबद्ध कार्यान्वयन किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर ट्रेड मार्क की अर्जी भूल से थी, वापस ले ली गयी : रिलायंस

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को समूह की किसी इकाई के ट्रेड मार्क के रूप में दर्ज करने का उसका कोई इरादा नहीं है और इस संबंध में भूल से लगायी गयी अर्जी वापस ले ली गयी है। रिलायंस की ओर से जारी एक बयान में आज कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की जनभावना से जुड़ गया है और यह देश की बहादूरी का प्रतीक बन गया है।कंपनी ने कहा कि समूह की कंपनी जियो स्टूडियोज के एक कनिष्ट कर्मचारी ने बिना अनुमति के ट्रेड मार्क के लिए आवेदन कर दिया था, जिसे वापस ले लिया गया है। बयान में कहा गया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इसके सभी हितधारकों को पहलगाम में पर्यटकों पर पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के हमले के जवाब में भारतीय सैन्य बलों के अभियान (ऑपरेशन सिंदूर) पर असीम गर्व है। यह अभियान हमारे सशस्त्र बलों की गौरवपूर्ण उपलब्धि है और आतंकवाद के प्रति भारत के अडिग संघर्ष का प्रतीक है।

जिंदल स्टेनलेस का अंतिम तिमाही में शुद्ध लाभ 94.32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 925 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 476 करोड़ रुपये की तुलना में 94.32 प्रतिशत अधिक है।कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक के बाद उसके प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 10786 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के 9521 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 13.28 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 2711 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2531 करोड़ रुपये की तुलना में 7.12 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में समाप्त वित्त वर्ष में कुल राजस्व 40182 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 38356 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 4.76 प्रतिशत अधिक है। श्री जिंदल ने कहा ÷पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक अहम साल रहा, जिसने हमारे घरेलू बाज़ार में मज़बूत स्थिति बनाने और हमारी आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के लक्ष्य को पूरा किया। इंडोनेशिया में हमारी एनपीआई सुविधा का जल्दी चालू होना, क्रोमेनी स्टील्स का पूरी तरह अधिग्रहण करना और एम1एक्सचेंज में हमारा निवेश, इन सभी ने हमारे व्यापार को मज़बूत किया है। एम1 एक्सचेंज में हिस्सेदारी ने कच्चे माल की सुरक्षा, उत्पादों में विविधता और डिजिटल नेतृत्व में एक बड़ा कदम उठाने में मदद की। जैसे-जैसे हम ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल बढ़ाते हैं।

7.85 करोड़ की जीएसटी आईटीसी धोखाधड़ी का भंडाफोड़ ; चार्टर्ड अकाउंटेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) धोखाधड़ी पर एक बड़ी कार्रवाई में सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय ने दक्षिण दिल्ली में लगभग 7.85 करोड़ रुपये की राशि के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों से जुड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुये एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि इस मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69(1) के तहत गिरफ्तार किया गया और 07 मई 2025 को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उसे 21 मई 2025 तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच में 80 से अधिक जीएसटीआईएन (वस्तु एवं सेवा कर पहचान संख्या) का दुरुपयोग पाया गया, जो मुख्य रूप से पालम/द्वारका क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट के ईमेल आईडी और संपर्क नंबरों से जुड़े थे। सर्कुलर ट्रेडिंग में लगे 31 जीएसटीआईएन के एक मुख्य समूह की पहचान की गई, जिसमें वस्तुओं या सेवाओं की कोई वास्तविक आपूर्ति नहीं थी।

जीएसटी घोटाले में 800 करोड़ की हेराफेरी

पश्चिम बंगाल और झारखंड में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल और झारखंड में जीएसटी इनवॉइस घोटाले की जांच के तहत एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। रांची, जमशेदपुर और कोलकाता में कुल नौ जगहों पर हुई इस कार्रवाई में फर्जी बिलों के जरिए 800 करोड़ रुपये से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ है।ईडी को शक है कि आरोपित शिवकुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता ने मिलकर करीब 14 हजार 325 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस जारी किए और उसका फायदा उठाकर सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। सुमित और अमित गुप्ता के दफ्तर कोलकाता में मौजूद हैं, जहां तलाशी अभियान चलाया गया है।इस घोटाले से संबंधित जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी व्यवसायी विक्की भालोटिया के घर पर भी ईडी की दबिश पड़ी। इससे पहले इसी प्रकरण में बबलू

जायसवाल का नाम भी सामने आ चुका है, जो पहले से ईडी के निशाने पर हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी एक संगठित रैकेट का हिस्सा थे जो सैकड़ों फर्जी कंपनियों के नाम पर कागजी लेन-देन कर रहे थे।

पैसे को रियल एस्टेट और शैल कंपनियों में लगाया गयाईडी के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घोटाले से कमाई गई भारी रकम को रियल एस्टेट, नकद लेनदेन, शैल कंपनियों और विदेशी खातों में लगाया गया है। कई संपत्तियां भी चिन्हित की गई हैं जिन्हें मामूली मूल्य पर दिखाया गया है, जबकि उनकी वास्तविक कीमत करोड़ों में है। ईडी अब इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया में है। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के तहत व्यापारी अपने खरीदे गए सामान या सेवाओं पर चुकाए टैक्स को आगे बिक्री पर चुकाए टैक्स से समायोजित कर सकते हैं। लेकिन इस मामले में आरोपितों ने ऐसा दिखाया जैसे उन्होंने भारी मात्रा में सामान खरीदा और टैक्स चुकाया, जबकि कोई वास्तविक लेनदेन हुआ ही नहीं। इस तरह फर्जी बिलों के जरिए टैक्स रिफंड का दावा किया गया। ईडी ने छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज, डिजिटल डेटा और बैंक विवरण जब्त किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस घोटाले में कई अन्य कारोबारी और बिचौलियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

स्टार्टअप इकाइयों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के तहत गारंटी की सीमा दोगुनी की गयी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने स्टार्टअप इकाइयों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसएस) में गारंटी की सीमा का विस्तार कर दोगुना करने की अधिसूचना जारी कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने योजना के तहत प्रति उधारकर्ता गारंटी कवर की सीमा को दस करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है ऋण चूक की दशा में 10 करोड़ रुपये तक की ऋण राशि के लिए गारंटी कवर की सीमा भी बढ़ाकर चूक की राशि के 85 प्रतिशत तक तथा 10 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि के लिए 75 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा 27 चैंपियन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए वार्षिक गारंटी शुल्क (एजीएफ) को दो प्रतिशत से घटा कर एक प्रतिशत कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि

विनिर्माण और सेवा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत इन चैंपियन क्षेत्रों की पहचान की गई है। सरकार का मानना है कि चैंपियन क्षेत्रों के लिए एजीएफ में कटौती से पहचाने गए क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण अधिक आकर्षक हो जाएगा तथा घरेलू विनिर्माण और आत्मनिर्भरता में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

मप्र सरकार का बड़ा फैसला, कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर हुआ 55 प्रतिशत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया है। इसी माह से राज्य के सभी कर्मचारियों को इसी मई के माह से ही केन्द्र के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता मिलेगा। इस संबंध में गुरुवार देर शाम राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। इसका फायदा कर्मचारियों के साथ ही पेंशनर्स को भी मिलेगा। इसके अलावा छठवां वेतनमान पा रहे कर्मचारियों के भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के आदेश जारी किए गए हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसी महीने महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 फीसदी करने की घोषणा की थी। पिछली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी गई थी। कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि का आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार, सातवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों को वर्तमान 50 फीसदी महंगाई भत्ते के स्थान पर दो चरणों में बढ़ा हुआ भत्ता मिलेगा। एक जुलाई 2024 से महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़कर 53 फीसदी किया गया है, जिसका

भुगतान अगस्त 2024 के वेतन में होगा। इसी तरह एक जनवरी 2025 से इसमें और दो प्रतिशत की वृद्धि कर इसे कुल 55 फीसदी कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

मई 2025 से मिलेगा लाभ, एरियर पांच किश्तों में

राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि का वास्तविक लाभ 1 मई 2025 से दिया जाएगा और 1 जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून से अक्टूबर 2025 के बीच पांच किश्तों में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त व दिवंगत कर्मियों को एकमुश्त भुगतान

1 जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके शासकीय कर्मचारियों को एरियर की पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। इसी तरह एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 की अवधि में मृत कर्मचारियों के परिजनों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी। वहीं, एक अन्य निर्देश में कहा गया है कि 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले पूर्णांक रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा। महंगाई भत्ते का कोई भी भाग वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। इस भुगतान का व्यय संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

भारत और चिली ने सीईपीए पर वार्ता के लिए संदर्भ शर्तों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चिली ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए आधिकारिक तौर पर संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। इस ऐतिहासिक कदम को इन दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर भारत में चिली के राजदूत जुआन अंगुलो और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और भारतीय पक्ष की ओर से भारत-चिली सीईपीए के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को दोहराया और 26 से 30 मई, 2025 को नई दिल्ली में होने वाली पहली वार्ता के दौरान सार्थक चर्चा के प्रति आशा व्यक्त की। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल सेवाओं, निवेश

प्रोत्साहन एवं सहयोग, एमएसएमई, महत्वपूर्ण खनिजों आदि सहित कई क्षेत्रों को शामिल करना है, जिससे आर्थिक एकीकरण और सहयोग बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और चिली रणनीतिक साझेदार और करीबी सहयोगी हैं। दोनों देश उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चस्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से मजबूत हुए हैं। जनवरी, 2005 में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उसके बाद मार्च, 2006 में अधिमान्य व्यापार समझौते (पीटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। तब से भारत और चिली के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत बने हुए हैं और निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में बिहार का देश में तीसरा स्थान

एजेंसी

पटना। बिहार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (पीएमईजीपी) के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के क्रियान्वयन में देश में बिहार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पहले स्थान पर जम्मू-कश्मीर और दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेशभर से 35 हजार 406 लोन लेने के लिए आवेदन आए। इन आवेदनों को उद्योग विभाग की तरफ से बैंक को भेजे गए, जिनमें 8 हजार 77 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत किए गए इन आवेदनों के अंतर्गत 14 हजार 899 लाख रुपये की राशि स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिहार को पीएमईजीपी आवेदनों की जांच स्वीकृति प्रदान करने में देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि आवेदन स्वीकृति के मामले में राज्य तीसरे स्थान पर रहा। सबसे खास बात यह रही कि बिहार ने 115 प्रतिशत की सैंक्शन दर हासिल की है, जो योजना के सफल क्रियान्वयन

को दर्शाता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत उन्हें स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना में आवेदन करने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। आवेदनकर्ता की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास होनी चाहिए। वैसे युवा इस योजना के पात्र नहीं होंगे, जिन्होंने पूर्व में किसी सरकारी ऋण सब्सिडी का लाभ प्राप्त किया हो। इस योजना का लाभ नए प्रोजेक्ट के तहत ही खासतौर से लिया जाता है। पहले से चल रही परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य कोटि के लाभार्थियों को शहरी क्षेत्र में 15 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र में 25 प्रतिशत के अनुदान लाभ मिलता है। आरक्षित वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला, अल्पसंख्यक एवं दिव्यांगजनों को शहरी क्षेत्र में 25 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 35 प्रतिशत तक का लाभ दिया जाता है।

इस बाबत प्रदेश के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि पीएमईजीपी योजना के क्रियान्वयन में बिहार का देश में तीसरा स्थान आना गर्व की बात है। साथ ही यह इस बात का भी परिचायक है कि राज्य के युवा बड़ी संख्या में इससे लाभ प्राप्त करके स्वरोजगार को अपना रहे हैं। युवाओं को स्वालंबी बनाते हुए रोजगार मुहैया कराने में यह बेहद कारगर साबित हो रहा है।

एलएंडटी का तिमाही मुनाफा 22.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। बुनियादी ढांचा समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 6133.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 6133.44 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये से 22.6 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 68120.42 करोड़ रुपये से 10.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 75527.33 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान उसके कुल व्यय में भी 10.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 61792.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 67988.09 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में उसे 17687.39 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 15569.72 करोड़ रुपये के मुकाबले 13.6 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 225270.94 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत बढ़कर 259859.27 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह इस अवधि में उसका कुल व्यय भी 204847.44 करोड़ रुपये से 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 236755.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलएंडटी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा, वर्ष का समापन शानदार तरीके से हुआ, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक और अवधि को दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर अफवाहें निराधार, इंडियन ऑयल ने कहा-देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते देशभर में सुरक्षा को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर पेट्रोल, डीजल और गैस की संभावित कमी को लेकर अफवाहों ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया। कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं। ऐसे में देश की अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि घबराएं नहीं, क्योंकि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

इंडियन ऑयल का भरोसा: 'पूरे देश में भरपूर स्टॉक मौजूद'

इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म -(पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से एक संदेश जारी कर

कहा कि, 'हमारे पास देशभर में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का स्टॉक उपलब्ध है। सप्लाई चैन पूरी तरह से सक्रिय है और सभी आउटलेट्स सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।'कंपनी ने जनता से अपील की कि घबराकर ईंधन की खरीद न करें, क्योंकि इससे अनावश्यक भीड़ और आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बनता है। यदि लोग संयम बरतें और जरूरत अनुसार ही ईंधन लें, तो हम सभी को बिना रुकावट सेवाएं दे सकते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं लंबी कतारें

बीते 24 घंटों में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाहों में दावा किया जा रहा था कि जल्द ही पेट्रोल और गैस की सप्लाई बाधित हो सकती है। कुछ वीडियो में लोगों को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में खड़े देखा गया। यह स्थिति उस वक्त उत्पन्न हुई जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। हालांकि इंडियन ऑयल की ओर से आए इस स्पष्टीकरण के बाद स्थिति काफी हद तक साफ हो गई है और अब पैनिक बाइंग की कोई वजह नहीं बचती। इंडियन ऑयल न सिर्फ एक तेल कंपनी है, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है। इसकी क्षमता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसे भारत सरकार द्वारा 'महारत्न' का दर्जा प्राप्त है। देश में कुल 19 रिफाइनरियों में से 10 IOC के पास हैं, और इसका पेट्रोलियम मार्केट में हिस्सा करीब 47फीसदी है, जबकि तेल रिफाइनिंग में 40फीसदी। इस विशाल नेटवर्क के बल पर कंपनी पूरे देश में निर्बाध रूप से ईंधन और एलपीजी की आपूर्ति कर रही है।

देश वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, लेकिन ऐसे में अफवाहों से डरकर नहीं, बल्कि तथ्य पर भरोसा कर, एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की आवश्यकता है। इंडियन ऑयल जैसी संस्थाएं पूरी क्षमता से काम कर रही हैं ताकि देश को ऊर्जा संकट से दूर रखा जा सके। ऐसे में जनता का संयम ही सबसे बड़ा सहयोग है।

भारत में एआई की वृद्धि के लिए 2030 तक 45 टीडब्ल्यूएच बिजली की जरूरत : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ने के साथ किफायती लागत , नवीकरणलीय ऊर्जा पर जोर और डेटा सेंटर के विकास के लिए एक रणनीतिक स्थान बनने के साथ ही वर्ष 2030 तक एआई की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 4 से 5 करोड़ वर्ग फुट रियल एस्टेट और 40 से 45 टेरावॉट बिजली की जरूरत होगी। डेलॉयट इंडिया द्वारा आज जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। इसमें कहा गया है कि भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने के लिए विशेष नीतिगत फैसले अहम होंगे। रिपोर्ट में विश्व में अग्रणी एआई रेडी ईकोसिस्टम के निर्माण के लिए भारत के लिए छह प्रमुख स्तंभों की पहचान की है। ये स्तंभ हैं रियल एस्टेट, बिजली, यूटिलिटीज इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट और पॉलिसी फ्रेमवर्क।

डेलॉयट इंडिया के पार्टनर एस अंजनी कुमार ने कहा, अगर भारत अपनी एआई क्षमताओं को बढ़ाना और इससे जुडी अपनी क्षमताओं को जानना चाहता है, तो इस क्षेत्र को समर्थन देने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत होगी। डेटा एनालिटिक्स और प्रोसेसिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को अपना एआई-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहिए।

रुपया 68 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 68 पैसे लुढ़ककर 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 84.77 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 16 पैसे की मजबूती के साथ 84.61 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली की बदौलत 84.54 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली बढ़ने से यह 85.80 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 84.77 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 68 पैसे की गिरावट के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालिया तनाव के कारण रुपया विदेशी मुद्रा बाजार में भारी दबाव में आ गया है, जिससे इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने चेताया है कि यदि स्थिति और बिगड़ती है तो रुपया 86.00 रुपये प्रति डॉलर से 86.50 रुपये प्रति डॉलर के बीच के रिकॉर्ड निचले स्तरों की ओर गिर सकता है। पिछले 24 घंटों में सीमा पर ड्रोन हमलों और उनके जवाब में की गई सैन्य कार्रवाइयों की रिपोर्टों ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को गंभीर रूप से बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की भावना पर पड़ा है।

वर्ष 2024 में खाद्यान्न उत्पादन में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में कुल खाद्यान्न क्षेत्र में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल और मक्का में प्रमुख वृद्धि देखी गयी है। समान रूप से खरीफ 2024 में कुल खाद्यान्न उत्पादन में वर्ष 2023 के खरीफ उत्पादन की तुलना में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल, मक्का और ज्वार आदि फसलों में उच्च उत्पादन देखा गया है। नई दिल्ली के पूसा कैंपस स्थित अग्नि हॉल में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-खरीफ 2025 अभियान में हुई चर्चा के साथ-साथ खरीफ की बुआई से पहले कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की तैयारियों व रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर सहित विभिन्न राज्यों से आए कृषि मंत्री भी उपस्थित रहे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि राज्यों के बेहतर प्रदर्शन, किसानों की मेहनत के कारण खरीफ के रकबे में वृद्धि हुई है, वहीं खरीफ 2023-24 के दौरान चावल का क्षेत्रफल

40.73 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 43.42 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। चावल का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 113.26 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 120.68 मिलियन टन हो गया है। इसी तरह खरीफ में 2023-24 के दौरान मक्का का क्षेत्रफल 8.33 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 8.44 मिलियन हेक्टेयर हो गया और मक्के का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 22.25 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 24.81 मिलियन टन हो गया है। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड की नीति के तहत वैज्ञानिक और किसान साथ मिलकर काम करे, इसकी बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गेहूं, चावल हमारे यहां पर्याप्त मात्रा में होता है लेकिन दलहन और तिलहन का हमें आयात करना पड़ता है। भारत सरकार ने जो दलहन मिशन शुरू किया है उसे इम्प्लीमेंट करने की बात सम्मेलन में हुई है।

उत्पादन कैसे बढ़े, इस पर भी चर्चा और ऑइल सीड के उत्पादन को बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 33 राज्यों का वार्षिक एक्शन प्लान आ गया है। 7.78 लाख हेक्टेयर में 15,560 क्लस्टर बनाए जाएंगे और 10 हजार बायो रिसोर्स सेंटर बनाए जाएंगे। 16 प्राकृतिक खेती के केंद्रों की पहचान की गई है और 3,100 वैज्ञानिकों को किसान को मास्टर ट्रेनिंग के रूप में ट्रेन किया गया है। कम से कम 18 लाख किसान प्राकृतिक खेती की शुरुआत करें।

सुरभि दास

ने लगाई पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस की क्लास, लिखा- इसकी देश भक्ति अब जागी है, पहले तो इंडिया...

टीवी एक्ट्रेस सुरभि दास ने पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस की क्लास लगाई है। दरअसल, पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना की थी। यूं तो उनके अकाउंट्स पर इंडिया में बैन लगा हुआ है, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए उनके पोस्ट सुरभि तक पहुंच गए। ऐसे में उन्होंने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है।सजल अली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की निंदा की तो सुरभि भड़क गई। एक्ट्रेस ने लिखा, ये लोग क्या बकवास कर रहे हैं भाई? अब इनको याद आया कि मासूमों को नहीं मारना चाहिए। अरे भाई हमारे 26 लोगों को क्यों मारा फिर?? वो लोग अपने परिवार के साथ समय बिताने कश्मीर गए थे। उनका क्या कसूर था? अब बहुत बुरा लग रहा है इनको तब क्यों कुछ नहीं बोला किसी ने?

सुरभि ने माहिर खान को खरीखोटी सुनाई। एक्ट्रेस ने लिखा, आधे टाइम तो ये इंडिया में ही रहती थी ताकि काम मिल जाए। अब अचानक से इसकी देश भक्ति जाग गई। शर्म आनी चाहिए। इंडिया में काम मांग रही थी। कहती थी, हम मर जाएंगे, लेकिन पाकिस्तानी फिल्म में काम नहीं करेंगे। बहन हम वहां क्रिकेट तक नहीं खेलते और तुम मुंह उठाकर यहां चली आती हो काम मांगने। शर्म आनी चाहिए क्योंकि तुम न घर की हो और न घाट की।हानिया आमिर के पोस्ट का जवाब देते हुए सुरभि ने लिखा, तुम तो बहन बोलो ही मत, वो जो बॉलीवुड गाने लगा लगाकर इंडियन ऑडियंस की भीख मांगती हो शर्म नहीं आती?? हर दो दिन में तुम्हारा इंडियन ऑडियंस के लिए पोस्ट आता है। इंडियन फिल्मों में रोल पाने के लिए भीख मांगती हो और अब तुम्हारा इंडियन फिल्म्स में काम करने का सपना टूट गया तो तुम्हे गुस्सा आ रहा है? तुम्हे तब गुस्सा क्यों नहीं आया था जब हमारे लोगों को मारा गया था।

5 करोड़ में बनी इस फिल्म ने की थी जबरदस्त कमाई, भर-भरकर थे डबल मीनिंग डायलॉग्स

2005 में एक ऐसी फिल्म आई जिसमें एडल्ट कॉमेडी भर-भरकर दिखाई गई और उस फिल्म का नाम था 'क्या कूल हैं हम'. फिल्म में तुषार कपूर और रितेश देशमुख लीड रोल में नजर आए थे और उनके काम को पसंद भी किया गया था. फिल्म में दिखाए जाने वाले एडल्ट सीन और डबल मीनिंग वाले डायलॉग्स ही लोगों को एंटरटेन करने में कामयाब हुए थे.फिल्म क्या कूल हैं हम को एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस में बनाया गया था. फिल्म का दूसरा और तीसरा पार्ट भी बना था जिसमें तुषार कपूर और रितेश देशमुख ही नजर आए थे. फिल्म ने कितनी कमाई की थी, इसे किसने बनाया था, आइए इसके बारे में जानते हैं.

'क्या कूल हैं हम' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

6 मई 2005 को रिलीज हुई फिल्म क्या कूल हैं हम का निर्देशन संगीत सिवान ने किया था और इसे प्रोड्यूस शोभा कपूर, एकता कपूर ने किया था. फिल्म में तुषार कपूर, रितेश देशमुख, ईशा कोप्पिकर और नेहा धूपिया लीड रोल में नजर आए.

इनके अलावा अनुपम खेर, राजपाल यादव, रज्जाक खान और सुष्मिता मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आए. थे Sacnilk के मुताबिक, फिल्म क्या कूल हैं हम का बजट 5 करोड़ रुपये था, जबकि इसका वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.81 करोड़ रुपये था. फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'क्या कूल हैं हम'?

तुषार कपूर और रितेश देशमुख की एडल्ट कॉमेडी फिल्म क्या कूल हैं हम को दर्शकों ने पसंद किया था. इसके दो और पार्ट्स 'क्या सुपर कूल हैं हम' (2012) और 'क्या कूल हैं हम 3' (2016) भी आए जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रहे. 'क्या सुपर कूल हैं हम' का निर्देशन सचिन यर्दी ने किया था और 'क्या कूल हैं हम 3' का निर्देशन उमेश घाडगे ने किया था. अगर आप इन तीनों फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखना चाहते हैं तो इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर सब्सक्रिप्शन के साथ देख सकते हैं.

कोई पुड़िया नहीं है...क्या रणवीर सिंह को सुपरस्टार बनाने के पीछे है नवाजुद्दीन सिद्दीकी का हाथ?

बॉलीवुड एक्टर और फिल्मों से जुड़े कुछ ऐसे राज होते हैं, जिन्हें खुलने में या सामने आने में काफी वक्त लग जाता है. हाल ही में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी एक ऐसा ही किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे. नवाजुद्दीन अपनी फिल्म कोस्टाओ की रिलीज़ के बाद से लगातार चर्चा का हिस्सा बने हुए हैं. उन्हें फिल्मी दुनिया में 10 साल से ज्यादा का समय हो चुका है. उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों और सीरीज में काम किया है. हाल ही में नवाज ने रणवीर सिंह को उनकी पहली फिल्म के लिए ट्रेनिंग देने पर खुलकर बात की.पिंकविला को दिए गए इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने रणवीर सिंह को उनकी पहली फिल्म बैंड बाजा बाराज के लिए ट्रेनिंग देने पर बात की और इसका क्रेडिट लेने से भी इनकार किया. क्योंकि उनका मानना है कि एक्टिंग कभी भी सिखाई नहीं जा सकती. जब एक्टर से रणवीर को ट्रेनिंग देने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने जवाब में कहा, कुछ वक्त के लिए किया था. उस वक्त को याद करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि सिर्फ दो साल बाद ही वह रिकॉर्ड ब्रेकिंग वाली फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम करेंगे.

उसके अंदर काबिलियत थी - नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ऐसा कभी नहीं सोचा था. मैं तो एक तरह से वर्कशॉप लेने वाला बंदा हो गया था कि कोई किसको एक्टर बनना है, लॉन्च होना है तो मैं हूं. वर्कशॉप करते थे हम लोग सब एक्टर्स के साथ. यह पूछे जाने पर कि क्या वह रणवीर सिंह के एक्टिंग टैलेंट का क्रेडिट लेंगे तो नवाजुद्दीन ने कहा, एक्टिंग कभी सिखायई नहीं जा सकती. कोई पुड़िया नहीं है. आपको खुद को पता लगाना पड़ता है. उसके अंदर खुद की काबिलियत थी. हां आपको रास्ता दिखाया जा सकता है कि इस तरफ से भी जाया जा सकता है, लेकिन जाना तो आपको ही पड़ेगा ना.

पहली ही फिल्म से छा गए थे रणवीर

रणवीर सिंह ने साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म बैंड बाजा बारात से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. फिल्म में अनुष्का शर्मा लीड रोल में थीं. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. महज 15 करोड़ में बनकर तैयार हुई इस फिल्म ने दुनिया भर में 33 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था. इस फिल्म के बाद अब तक रणवीर सिंह ने कई दमदार किरदार बड़े पर्दे पर पेश किए हैं.

पति नील से अलग होने पर

ऐश्वर्या शर्मा

ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हां, मैंने किराए पर अलग घर लिया है, लेकिन..

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने आखिरकार पति नील भट्ट के साथ सेपरेशन की खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है. हाल ही में ऐसी अफवाहें जोर पकड़ रही थीं कि ऐश्वर्या और नील के बीच सबकुछ ठीक नहीं है. इन अटकलों का मुख्य कारण दोनों का सार्वजनिक रूप से कम दिखना और सोशल मीडिया पर एक साथ तस्वीरें शेयर न करना था. हालांकि, ऐश्वर्या शर्मा ने अब इन सभी बातों को खारिज करते हुए अपनी शादीशुदा जिंदगी की सच्चाई बताई है. इस दौरान ऐश्वर्या ने ये भी कहा है कि वे दोनों अलग घरों में रहते हैं.टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि वो और नील अपनी शादीशुदा जिंदगी में बहुत खुश हैं. वे लगातार अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं या अक्सर पार्टीज में साथ में दिखाई नहीं देते हैं, इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उनके बीच किसी तरह की कोई समस्या चल रही है. ऐश्वर्या ने कहा कि उनकी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी को लेकर बेवजह अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है.

एक साथ न दिखने के पीछे है खास वजह

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनका अक्सर साथ में न दिखना दोनों की तरफ से सोच-समझकर लिया गया फैसला है. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे दोनों ही अपनी प्रोफेशनल जिंदगी में लगातार एक-दूसरे के साथ रहना पसंद नहीं करते हैं. ऐश्वर्या ने कहा कि वे दोनों कलाकार हैं, जिनके अपने अलग रास्ते हैं, दोनों अपने-अपने काम को महत्व देते हैं और एक-दूसरे के प्रोफेशनल फैसलों का सम्मान करते हैं. वो नहीं चाहते कि उन्हें एक साथ देखकर मेकर्स उन्हें सभी प्रोजेक्ट्स में एक साथ कास्ट करें.

अलग-अलग घरों में रहते हैं नील और ऐश्वर्या

सेपरेशन की अफवाहों पर और सफाई देते हुए ऐश्वर्या ने कहा कि हां, किसी भी आम कपल की तरह उनके बीच भी छोटे-मोटे मतभेद होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी शादी खतरे में है. उन्होंने इन अफवाहों के फैलने का एक खास कारण भी बताया. ऐश्वर्या ने कहा कि उन्होंने अपने काम और शूटिंग के लिए मलाड में एक अलग जगह किराए पर घर लिया है और नील अलग घर में रहते हैं. इस वजह से ये अफवाहें वायरल हो रही हैं कि वो दोनों एक दूसरे से अलग होने जा रहे हैं. लेकिन इसमें कोई भी सच्चाई नहीं है. फिलहाल, वो और नील अपने-अपने करियर में बिजी हैं और उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश हैं.